दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास....

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सिद्धार्थनगर

मंगलवार, 16 सितंबर 2025

वर्ष: 12 अंक : 276 पृष्ठ: 8

आमंत्रण मूल्य 2/– रुपया

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

वजन घटाने के लिए बेहद प्रभावी है ...8

1 करोड़ का इनामी नक्सली कमांडर ढेर

अमित शाह बोले: पूरे देश से खत्म होगा नक्सलवाद

नई दिल्ली। झारखंड के हजारीबाग जिले में सोमवार सुबह सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में एक करोड़ रुपये के इनामी शीर्ष माओवादी नेता और दो अन्य वरिष्ठ माओवादियों को मार गिराया गया। मारे गए कमांडर की पहचान भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की केंद्रीय समिति के सदस्य सहदेव सोरेन के रूप में हुई है। वह पूर्वी भारत के सबसे वांछित माओवादी नेताओं में से एक था। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस कार्रवाई को एंटी नक्सल ऑपरेशन में बड़ी सफलता करार दिया। अमित शाह ने ट्वीट किया कि उत्तरी झारखंड के बोकारो क्षेत्र से

नक्सलवाद का पूरी तरह से सफाया कर दिया गया है। जल्द ही पूरा देश नक्सलवाद की समस्या से मुक्त हो जाएगा। उन्होंने एक्स पर लिखा कि आज झारखंड के हजारीबाग में सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन और राज्य पुलिस की संयुक्त टीम को नक्सल विरोधी अभियान में एक बड़ी सफलता मिली है। इस अभियान में एक करोड़ रुपये के इनामी नक्सली कमांडर सीसीएम सहदेव सोरेन उर्फ परवेश को ढेर कर दिया गया है। इसके अलावा, दो अन्य इनामी नक्सली – रघुनाथ हेम्ब्रम उर्फ चंचल और बीरसेन गंझू उर्फ रामखेलावन – भी सुरक्षा बलों द्वारा मार गिराए गए हैं। इस अभियान के बाद, उत्तरी झारखंड के बोकारो क्षेत्र से नक्सलवाद का पूरी तरह से सफाया कर दिया गया है। जल्द ही पूरा देश नक्सलवाद की समस्या से मुक्त हो जाएगा। झारखंड पुलिस के अनुसार विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर कोबरा बटालियन, गिरिडीह पुलिस और हजारीबाग पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया। गिरिडीह–बोकारो सीमा के पास टाटीझरिया थाना क्षेत्र के करंदी गांव में सुबह लगभग 6 बजे गोलीबारी शुरू हुई। मुठभेड़ में दो अन्य माओवादी नेता बिहार–झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी का 25 लाख रुपये का इनामी सदस्य रघुनाथ हेम्ब्रम उर्फ चंचल और 10 लाख रुपये का इनामी जोनल कमेटी सदस्य बीरसेन गंझू उर्फ रामखेलावन भी मारे गए।

पूर्णिया में विकास की पटरी पर दौड़ा वोट बैंक का समीकरण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेट की पॉलिटिकल फील्डिंग

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पूर्णिया में सोमवार को संपन्न हुई जनसभा सीमांचल में राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) की पकड़ मजबूत करने एवं चुनावी समीकरण साधने के लिए भाजपा की रणनीति का हिस्सा रही। इस सभा के माध्यम से मोदी डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों एवं एसआईआर के बहाने घुसपैठ व जनसंख्या संतुलन जैसे संवेदनशील मुद्दों को जोड़ते हुए पर विकास की पटरी पर वोट बैंक के समीकरण को दौड़ाने का हर संभव प्रयास किया। सीधे तौर पर कहें तो विकास की पटरी पर मोदी ने मुस्लिम बहुल पूर्णिया, कटिहार, अररिया एवं किशनगंज जैसे जिलों में महागठबंधन वोट बैंक के विरुद्ध राजग के मतदाताओं को एकजुट कर गए। महागठबंधन की चुनौती को देखते हुए भाजपा ने यहां अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश की। मोदी का यह दौरा सीमांचल को राजनीतिक रूप से राजग के वोट बैंक को सक्रिय एवं सजग करने के साथ बिहार की भविष्य की राजनीति के समीकरण तय करने वाला कदम

माना जा रहा है। पूर्णिया एयरपोर्ट, राष्ट्रीय मखाना बोर्ड, बाढ़ एवं सिंचाई के लिए कोसी–मेची के अतिरिक्त सड़क परियोजनाओं के लिए हजारों करोड़ रुपये की विकास योजनाओं को गिनाते हुए मोदी एसआईआर के बहाने घुसपैठिए के प्रति जागरूक कर गए। जीएसटी–2 (वस्तु एवं सेवाकर) को भुनाने के लिए विकास के पहिया को घुमाते हुए बताया कि आधी आबादी का कैसे ख्याल रखा। दशहरा, दिवाली, छठ के पहले मोदी ने जीएसटी कम करने की बात कर महिला वोट बैंक से जोड़कर साधा। रसोई में उपयोग होने वाले सामान पर जीएसटी कम करने की बात की। इस से महिलाओं के पर्स का बोझ हल्का होगा मसाले, सर्फ, साबुन, मंजन, पेस्ट तक गिनाने नहीं चुके।

3 गैर मुस्लिम...5 साल वाली शर्त खारिज

वक्फ एक्ट पर सुप्रीम कोर्ट के फैसला में क्या–क्या? 5 लाइन में जानें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अंतरिम सुनवाई करते हुए बड़ा फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 की कुछ धाराओं पर रोक लगाने का आदेश दिया।

अदालत ने वक्फ बनाने वाले और अतिक्रमण के विवादों का निपटारा करने वाले से संबंधित प्रावधानों पर रोक लगा दी, साथ ही वक्फ बोर्डों के गठन पर भी सिफारिशें जारी कीं। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश में कहा गया कि नए कानून को संवैधानिक चुनौतियों के बढ़े मामले की सुनवाई के दौरान वक्फ अधिनियम को पूरी तरह से स्थगित करने का कोई मामला नहीं बनाया गया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि हमने पाया है कि पूरे अधिनियम को चुनौती दी गई है, लेकिन मूल चुनौती धारा 3(आर), 3सी, 14 थी। हमने 1923 के अधिनियम के विधायी इतिहास का अध्ययन किया है और प्रत्येक धारा के लिए प्रथम दृष्टया चुनौती पर विचार किया है और पूरे कानून के लिए पक्षों की सुनवाई का कोई प्रावधान नहीं था। लेकिन जिन धाराओं को चुनौती दी गई है, उन पर हमने स्थगन आदेश दिया है।

पांच साल तक इस्लाम का अभ्यास करने का नियम स्थगित धारा 3(1)(आर), जिसके तहत वक्फ बनाने के लिए किसी व्यक्ति का पांच साल तक इस्लाम का अभ्यास करना अनिवार्य है, को स्थगित कर दिया गया है।

हस्तक्षेप पर न्यायालय की चेतावनी

मुख्य न्यायाधीश गवई ने यह भी दोहराया कि पांच साल की प्रैक्टिस के नियम को स्थगित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिना किसी तंत्र के, इससे मनमानी शक्ति का प्रयोग होगा। न्यायालय ने जोर देकर कहा कि वह आमतौर पर कानूनों को संवैधानिक मानता है और केवल दुर्लभतम मामलों में ही हस्तक्षेप करता है।

जिला कलेक्टर की शक्तियाँ प्रतिबंधित

अदालत ने धारा 3सी(4) पर रोक लगा दी, जो जिला कलेक्टर को यह निर्धारित करने का अधिकार देती थी कि कोई संपत्ति सरकारी है या नहीं और आदेश पारित कर सकती थी। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा, कलेक्टर को अधिकार निर्धारित करने की अनुमति देना शक्तियों के पृथक्करण के विरुद्ध है। किसी कार्यपालिका को नागरिकों के अधिकार निर्धारित करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

शक्तियों के पृथक्करण पर बल

जिला कलेक्टर को दी गई व्यापक शक्तियों पर प्रकाश डालते हुए, न्यायालय ने कहा कि कलेक्टर को नागरिकों के व्यक्तिगत अधिकारों का न्यायनिर्णयन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती और यह शक्तियों के पृथक्करण का उल्लंघन होगा। जब तक न्यायाधिकरण द्वारा न्यायनिर्णयन नहीं हो जाता, तब तक किसी भी पक्ष के विरुद्ध कोई तृतीय–पक्ष अधिकार नहीं बनाया जा सकता। कलेक्टर को ऐसी शक्तियों से संबंधित प्रावधान पर रोक रहेगी।

वक्फ अधिनियम पर उच्चतम न्यायालय का आदेश लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत : रीजीजू

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत है। उच्चतम न्यायालय ने अधिनियम के कई अहम प्रावधानों पर रोक लगा दी है, जिनमें वह धारा भी शामिल है, जिसमें केवल ऐसे

लोगों को किसी संपत्ति को वक्फ के रूप में समर्पित करने की अनुमति दी गई थी, जो पिछले पांच वर्षों से इस्लाम का पालन कर रहे हैं। हालांकि, अदालत ने पूरे कानून पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। रीजीजू ने यहां संवाददाताओं से कहा, "मेरा मानना है कि उच्चतम न्यायालय का यह निर्णय हमारे लोकतंत्र के लिए एक बहुत अच्छा संकेत है।" उन्होंने कहा कि अधिनियम के प्रावधान पूरे मुस्लिम समुदाय के लिए लाभकारी हैं। मंत्री ने कहा, "वक्फ बोर्ड के माध्यम से संपत्ति पर कब्जा करने सहित होने वाले दुरुपयोग पर अब इस नए कानून के जरिए रोक लगेगी। उच्चतम न्यायालय पूरे मामले से भलीभांति अवगत था।

शीश महल सफेद हाथी जैसा, इस पर बर्बाद हुआ पैसा दिल्ली के खजाने में वापस लाया जाएगा: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि शीश महल बंगला एक सफेद हाथी की तरह है और दिल्ली सरकार को अभी इसके भाग्य के बारे में फैसला करना बाकी है। यह बंगला अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान उनके आधिकारिक आवास के रूप में इस्तेमाल किया गया था।

गुप्ता ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि केजरीवाल द्वारा इस पर बर्बाद किया गया पैसा दिल्ली के खजाने में वापस आ जाए। साल 2015 में जब आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली में सरकार बनाई थी, तब से लेकर पिछले साल सितंबर में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने तक केजरीवाल सिविल लाइंस इलाके में 6, फ्लैगस्टाफ रोड स्थित बंगले में रहते थे, जिसे भाजपा ने शीश महल का नाम दिया था। पांचजन्य द्वारा आयोजित आधार इन्फ्रा कॉन्फ्लुएंस 2025 को संबोधित करते हुए गुप्ता ने 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल पर बंगले के निर्माण पर दिल्ली के लोगों की गाढ़ी कमाई को बर्बाद करने का आरोप लगाया। केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहने दौरान पुनर्निर्मित यह बंगला भ्रष्टाचार और महंगी आंतरिक साज–सज्जा तथा घरेलू सामान के आरोपों के कारण विवाद का केंद्र बन गया था।

गुप्ता ने कहा, यह दिल्ली सरकार के पास सफेद हाथी की तरह पड़ा है और हम सोच रहे हैं कि इसका क्या किया जाए। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने अपनी रिपोर्ट में अनुमान लगाया था कि 2022 तक बंगले के पुनर्निर्माण पर 33.66 करोड़ रुपये खर्च हुए। हालांकि, भाजपा नेताओं ने दावा किया कि वास्तविक लागत 75–80 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि शीश महल पर सार्वजनिक संसाधनों की बर्बादी देखना दुखद है और उन्होंने कहा कि इस पर खर्च किया गया पूरा पैसा ब्याज सहित सरकारी खजाने में वापस लाया जाएगा।

बिहार में नौकरियों को लेकर बवाल

बैरिकेड्स तोड़ आगे बढ़े छात्र, सरकार मौन क्यों?

पटना। बिहार में छात्र सोमवार को राज्य में पुलिस कांस्टेबल और सरकारी नौकरियों की कमी के विरोध में सड़कों पर उतर आए। छात्रों का दावा है कि पिछले दो वर्षों से नए छात्रों की भर्ती के लिए कोई नई रिक्तियां नहीं आई हैं। छात्रों ने मांग की कि सरकार

चुनाव शुरू होने से पहले इस संबंध में अधिसूचना जारी करे। हालांकि भारत के चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा नहीं की है, लेकिन चुनाव अक्टूबर–नवंबर में होने की उम्मीद है। पटना में मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च करते हुए छात्रों ने मांग की कि बिहार पुलिस सब–ऑर्डिनेट सर्विस कमीशन और सेंट्रल सिलेक्शन बोर्ड ऑफ कांस्टेबल की उत्तर कुंजी छात्रों को दी जाए। एक प्रदर्शनकारी के अनुसार, छात्रों का एक प्रतिनिधिमंडल प्रशासन के एक अधिकारी से मिलने गया और अपनी मांगें रखीं। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को कुछ देर के लिए रोक दिया क्योंकि बैरिकेड्स लगाए गए थे। हालांकि, कुछ जगहों पर बैरिकेड्स हटा दिए गए थे, जिससे कुछ छात्र आगे निकल गए। बैरिकेड्स के ऊपर खड़े एक प्रदर्शनकारी खुशबू पाठक ने पत्रकारों से कहा कि छात्रों ने कई बार अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई है, लेकिन प्रशासन कुछ नहीं कर रहा है। इसलिए आज हमें यह विरोध प्रदर्शन करना पड़ा। हमारा विरोध पूरी तरह से शांतिपूर्ण है। हम हाथ जोड़कर सरकार से अपनी मांगें पूरी करने की विनती करते हैं। उन्होंने एएनआई को बताया कि उत्तर कुंजी की कार्बन कॉपी और प्रश्न पुस्तिका बीपीएसएससी और सीएसबीसी द्वारा दी जाती है। बिहार इंस्पेक्टर का नोटिफिकेशन चुनाव से पहले दिया जाना है। हम शांतिपूर्ण तरीके से मार्च कर रहे छात्र हैं।

मुंबई : भारी बारिश के कारण मालगाड़ी रुकी, मध्य रेलवे की उपनगरीय ट्रेन सेवाएं प्रभावित

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में मध्य रेलवे मार्ग पर एक मालगाड़ी के पटरी पर फंस जाने के कारण, पहले से ही देरी से चल रही लोकल ट्रेन सेवाएं और ज्यादा प्रभावित हो गईं। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

जिले में भारी बारिश के कारण पहले से ही ट्रेन सेवाएं प्रभावित हैं। मध्य रेलवे के प्रवक्ता ने बताया कि अपराह्न करीब 12.55 बजे पहिया फिसलने के कारण बदलापुर और अंबरनाथ रेलवे स्टेशनों के बीच एक मालगाड़ी रुक गई। प्रवक्ता ने कहा, "बारिश और पहिया फिसलने के कारण ट्रेन सीएसएमटी जाने वाले ट्रैक पर रुक गई है। एक सहायक इंजन भेजा गया है और उसे आगे बढ़ाया जा रहा है।" दक्षिण मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) जाने वाली लोकल ट्रेनों में यात्री फंस गए जिसके कारण रेलवे स्टेशनों पर भीड़ बढ़ गई। दादर, बायकुला, मस्जिद, कुर्ला, सायन और अन्य रेलवे स्टेशनों के पास निचले इलाकों में भारी बारिश के परिणामस्वरूप पटरियों पर और पानी जमा होने के कारण सुबह से ही स्थानीय ट्रेनें, विशेष रूप से मुख्य लाइन (सीएसएमटी से कसारा) पर देरी से चल रही थीं।

मिनी पाकिस्तान बयान पर जगद्गुरु रामभद्राचार्य कायम, पश्चिमी यूपी पर गरमाई सियासत

लखनऊ। आध्यात्मिक गुरु जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने अपनी पश्चिमी उत्तर प्रदेश एक छोटे पाकिस्तान जैसा है वाली टिप्पणी दोहराई और कहा कि उत्तर प्रदेश में कई लोग हिंदुओं को पलायन के लिए मजबूर कर रहे हैं। एएनआई से बात करते हुए आध्यात्मिक गुरु ने कहा कि मैं आज भी यही कह रहा हूं। संभल से हिंदू इतना पलायन क्यों कर रहे हैं? मेरठ और मुजफ्फरनगर में भी कई लोग हिंदुओं पर हावी हो रहे हैं। मैंने क्या गलत कहा? यह विवाद रामभद्राचार्य के एक बयान से उपजा है जिसमें उन्होंने कहा था कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में रहना छोटे पाकिस्तान जैसा लगता है। इससे पहले 31 अगस्त को, 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में सभी आरोपियों को बरी किए जाने के बाद, आध्यात्मिक गुरु जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने गुरुवार को कहा था कि कांग्रेस कोई

सबूत नहीं जुटा पाई और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। चित्रकूट में एएनआई से बात करते हुए, रामभद्राचार्य ने कहा, इससे कांग्रेस बेनकाब हो गई है। वे कोई सबूत नहीं जुटा पाए... आज हम जीत गए और सभी बरी हुए लोगों को सामूहिक रूप से कांग्रेस के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करना चाहिए और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने आगे एएनआई से कहा, "हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकते, इतिहास उठाकर देख लीजिए। अखिल भारतीय मुस्लिम जमात (एआईएमजे) के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य द्वारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश को "मिनी पाकिस्तान" कहे जाने की आलोचना करते हुए इसे "निराधार दावा" बताया है और कहा है कि आध्यात्मिक नेता राज्य के विभिन्न हिस्सों में कथित पलायन के झूठे आंकड़े देकर "हिंदुओं को गुमराह" कर रहे हैं। जमात अध्यक्ष ने सोमवार को एएनआई से कहा, "वह (जगद्गुरु रामभद्राचार्य) निराधार दावे कर रहे हैं, इसका कोई आधार नहीं है। साथ ही, ऐसे आध्यात्मिक नेताओं को हमारे दुश्मन देश – पाकिस्तान का नाम नहीं लेना चाहिए। वे हमारे पड़ोसी हैं लेकिन दुश्मन हैं, इसलिए उन्हें उस नाम का उल्लेख करने की कोई आवश्यकता नहीं है।" संभल, मुजफ्फरनगर और मेरठ में पलायन के दावों का जिक्र करते हुए, मुस्लिम धर्मगुरु ने समुदायों के बीच सद्भाव की बात दोहराई और कहा कि आध्यात्मिक नेता हिंदुओं को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जहां तक संभल, मुजफ्फरनगर और मेरठ में पलायन का सवाल है, वहां कोई पलायन नहीं हो रहा है हिंदू और मुसलमान साथ–साथ रह रहे हैं।

आचार्य देवव्रत ने महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में ली शपथ, राष्ट्रपति ने जारी किया था आदेश

मुंबई। गुजरात के राज्यपाल के रूप में कार्यरत आचार्य देवव्रत ने सोमवार को मुंबई में राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित एक समारोह में महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में शपथ ली। मुंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति चंद्रशेखर ने आचार्य देवव्रत को पद की शपथ दिलाई। राज्यपाल ने संस्कृत में शपथ लेकर इस भाषा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की ओर ध्यान आकर्षित किया।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर ने नवनियुक्त राज्यपाल को गुलदस्ते भेंट करके बधाई दी। इस अवसर पर भारतीय नौसेना ने औपचारिक सलामी दी। राधाकृष्णन का स्थान लेंगे देवव्रत आचार्य देवव्रत, सी.पी. राधाकृष्णन का स्थान लेंगे, जिन्होंने भारत के उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद पद छोड़ दिया था। इस रिक्ति को भरने के लिए भारत के राष्ट्रपति ने पहले ही आदेश जारी कर आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र का प्रभार सौंप दिया था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गुरू ब्रम्हलीन महंत अवेद्यनाथ को पुण्यतिथि पर सहभोज के साथ किया नमन

दैनिक बुद्ध का संदेश
बस्ती। विश्व हिन्दू महासंघ द्वारा सोमवार को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पूज्य गुरुदेव राष्ट्र संत ब्रम्हलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के पुण्यतिथि के निमित्त जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के संयोजन में संगोष्ठी एवं सहभोज का आयोजन रोडवेज तिराहे के निकट स्थित गिरिजराज के सभागार में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में गोष्ठी को सम्बोधित करते हुये डॉ. हरिओम पाठक ने कहा कि महंत अवेद्यनाथ श्री रामजन्म भूमि के प्राण थे। सबको साथ लेकर चलने की उनमें विलक्षण प्रतिभा थी। उसी के परिणाम स्वरूप श्रीराम जन्मभूमि आन्दोलन के साथ सभी सम्प्रदायों, दार्शनिक परम्पराओं के संत जुड़ते चले गए और लक्ष्य पूर्ण हुआ। गोरखनाथ मंदिर की वर्तमान भव्यता, शानदार वास्तुशिल्प महंत अवेद्यनाथ की ही देन है।

उन्होंने अस्पताल, स्कूलों की स्थापना कर लोकमंगल की भूमिका को नई दिशा दिया, उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। विशिष्ट अतिथि राजमाता आशिमा सिंह ने कहा कि ब्रम्हलीन महंत अवेद्यनाथ ने सामाजिक समरसता, जाति पांति, छुआ छूत मिटाने, सेवा, सहयोग की जो नींव डाली उसका विस्तार करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। मुख्य वक्ता महासंघ के प्रदेश मंत्री दिग्विजय सिंह राणा ने कहा कि महंत अवेद्यनाथ ने अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गोरक्षपीठ की शैक्षिक और सांस्कृतिक परंपरा को समृद्ध किया। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और लोककल्याण को सर्वोपरि माना। उनका योगदान हम सबको सदैव प्रेरणा देगा। गोष्ठी को कुलदीप मिश्रा ,श्रीखंड प्रताप सिंह , सुधीर सिंह सतीश चंद्र मिश्रा ,पा शंकर त्रिपाठी , चंद्रशेखर कमलापुरी , विजय शंकर शुक्ला, उमेश मिश्रा आदि ने सम्बोधित करते हुये कहा कि हिन्दू समाज की एकता, परस्पर सामन्जस्य से प्रगति ही महंत अवेद्यनाथ को सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने जो दिशा दिया है उसे गतिमान करने की जरूरत है। महासंघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि ब्रह्मलीन महन्थ अवेद्यनाथ जी ने हिन्दू धर्म की आध्यात्मिक साधना के साथ 'सामाजिक हिन्दू साधना को भी आगे बढ़ाया और सामाजिक जनजागरण को अधिक महत्वपूर्ण मानकर हिन्दू धर्म के सोशल इंजीनियरिंग पर बल दिया। बहुसंख्यक समाज को जोड़ने के लिए सहभोजों के क्रम में महंत अवेद्यनाथ ने बनारस में संतों के साथ डोमराजा के घर सहभोज कर उदाहरण प्रस्तुत किया। 12 सितम्बर 2014 को महन्थ अवेद्यनाथ ब्रम्हलीन हो गये। उनके सपनों, संकल्पों को पूरा करने का दायित्व हम सबका है। गोष्ठी और सहभोज में मुख्य रूप से सौरभ त्रिपाठी मनीष पाण्डेय, अमित कुमार त्रिपाठी धनुषधारी, चौबे पूनम सिंह, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, रवि सोनकर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा , विवेक श्रीवास्तव, बालकृष्ण सिंह, सौरभ चतुर्वेदी, शिवम मिश्रा, अभिषेक आर्य अमय चौधरी, आशीष उर्फ कल्लू बाबा, अमितेश प्रताप सिंह, आलोक सिंह, अनूप सिंह, गौरेंद्र प्रताप सिंह, सतीश पाण्डेय, महेंद्र प्रताप सिंह, सुमित शुक्ला, राजेश सती माता, जमुना प्रसाद, कंचन विश्वकर्मा, सरोज बाबा गोपेश्वर त्रिपाठी के साथ ही विश्व हिन्दू महासंघ के सैकड़ों पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विधायक ने सरस्वती शिशु मंदिर इन्टर कॉलेज में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता कार्यक्रम में लिया हिस्सा

दैनिक बुद्ध का संदेश
शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत शोहरतगढ़ में स्थित सरस्वती शिशु मंदिर इन्टर कॉलेज में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता

कार्यक्रम में रविवार को विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा ने हिस्सा लिया। आपको बता दें कि रविवार को अपराह्न 3 बजे नगर पंचायत शोहरतगढ़ में स्थित सरस्वती शिशु मंदिर इन्टर कॉलेज में खेलकूद प्रतियोगिता कार्यक्रम में विधायक विनय वर्मा पहुंचे, जिसका प्रधानाचार्य सहित अन्य लोगों ने फूल–माला पहनाकर स्वागत व अभिनन्दन किया गया। विधायक शोहरतगढ़ ने मुख्य अतिथि के रुप में हिस्सा लेकर वहां पर उपस्थित बच्चों को सम्बोधित करते हुए उक्त खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले बच्चों को सम्मानित किया है। इस दौरान अशोक कुमार बोरा, त्रिलोकी पाण्डेय सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हबीबुल्लाह के वार्ड में गंदगी का अंबार

दैनिक बुद्ध का संदेश
डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत डुमरियागंज के वार्ड नंबर 12 हबीबुल्लाह नगर जो स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हबीबुल्लाह के नाम पर बनाया गया है। उक्त वार्ड में बरसात का मौसम वार्ड वासियों के लिए मुसीबत बन कर सामने आ रहा है। वार्ड की नालियां पूरी तरह जर्जर हो चुकी है, वहीं सड़क की हालत भी बेहद खराब हो गई है। बारिश के दौरान नालियों का पानी सड़कों पर भर जाता है, जिससे लोगों को आने–जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वार्डवासियों का कहना है कि नगर पंचायत प्रशासन की उदासीनता के कारण समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। नालियों की सफाई न होने से पानी रुक जाता है और जगह–जगह कीचड़ जमा हो जाता है। सड़कें गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं, जिस वजह से पैदल चलना तो दूर, वाहन चलाना भी मुश्किल हो गया है। बरसात के दिनो में गलियों में पानी भर जाने से बच्चों और बुजुर्गों का बाहर निकलना बेहद कठिन हो जाता है।

वार्ड वासी जुबेर अहमद, मोहम्मद मोईद, अख्तर अंसारी और जैद अंसारी ने आरोप लगाया कि कई बार नगर पंचायत प्रशासन को लिखित और मौखिक रूप से शिकायतें दर्ज कराई गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्यवाई नहीं की गई। उनका कहना है कि क्षेत्र में लगातार समस्या बनी रहने से लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते नालियों की मरम्मत और सड़कों का पुनर्निर्माण नहीं कराया गया, तो बरसात के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो सकती है। गंदगी और जलभराव से संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है, जिससे लोगों की सेहत पर गंभीर असर पड़ सकता है। वार्ड वासियों ने नगर पंचायत प्रशासन से तुरंत कार्यवाही करने की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जाएगा, तब तक उनकी परेशानियां बरकरार रहेंगी। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सुधार कार्य शुरू नहीं किया गया तो वे मजबूरन आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। इस संबंध में वार्ड के सभासद टीहुल चौरसिया ने बताया कि उक्त समस्या उनके संज्ञान में है। धन आवंटित होने के बाद तत्काल वार्ड में विकास कार्य कराया जाएगा। जबकि इस बारे में नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अतीकुर्रहमान ने बताया कि नगर पंचायत में विकास कार्य प्रगति पर है, हबीबुल्लाह नगर वार्ड में भी विकास कार्य जल्द ही शुरु हो जायेगा।

अपना दल (एस) ने पोखरा काजी गांव में चौपाल का किया आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश
डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। विधानसभा डुमरियागंज के पोखरा काजी गांव में अपना दल (एस) कार्यकर्ताओं ने विजय कुमार की अध्यक्षता में चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में मुख्य

अतिथि जिलाध्यक्ष श्याम सुन्दर चौधरी, विशिष्ट अतिथि युवा मंच प्रदेश सचिव अनिल चौधरी व जिलाध्यक्ष युवा मंच विनय जायसवाल उपस्थित रहें। जिलाध्यक्ष श्याम सुन्दर चौधरी व प्रदेश सचिव अनिल चौधरी ने नीतियों को सम्बोधित किया। इस अवसर पर अपना दल (एस) के जिला उपाध्यक्ष मुख्तार शाह, ब्रम्हदेव, महासचिव ,पवांकर सिंह, अकबर अली, रहमान शाह, राजू शाह, अक्षय बाल्मीकि सहित सैकड़ो पदाधिकारी/कार्यकर्ता उपस्थित रहें। इस दौरान चौपाल में कई लोगो ने पार्टी की सदस्यता भी लिया।

टीईटी की अनिवार्यता को हटाने की मांगकर उत्तर प्रदेश जूनियर हाई स्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ ने सौपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश जूनियर हाई स्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ के बैनर तले सोमवार को संगठन के जिला अध्यक्ष राधेश्याम वर्मा व महामंत्री अवधेश कुमार सिंह के नेतृत्व में भारी संख्या में शिक्षकों ने टीईटी की अनिवार्यता को हटाने की मांग करते हुए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केन्द्रीय शिक्षा मंत्री व जिला अधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन डीएम कार्यालय पर प्रशासनिक

अधिकारी को सौंपा। संगठन के जिला अध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह ने कहा कि माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा टीईटी की अनिवार्यता सम्बन्धित निर्णय से प्रदेश के लाखों शिक्षक परेशान व दुखी हैं। महामंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार अब जिन शिक्षकों के सेवाकाल 5 वर्ष से अधिक शेष हैं उन्हें टीईटी परीक्षा को उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। इस निर्णय को सुनकर प्रदेश के लाखों शिक्षक काफी दुखी हैं। शिक्षक मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं। उन्होंने कहा कि माननीय सुप्रीम कोर्ट में टीईटी सम्बन्धित दायर याचिका के समय महाराष्ट्र व तमिलनाडु सरकार मुख्य पक्षकार थी, लेकिन देशव्यापी निर्णय पर प्रदेश के शिक्षक काफी कठिन दौर से गुजर रहे हैं और वह मानसिक तनाव में हैं। ऐसे निर्णय पर सरकार को विचार किये जाने की जरूरत है। जिला अध्यक्ष राधेश्याम वर्मा ने कहा कि लाखों लाख शिक्षकों के समस्याओं को देखते हुए माननीय सुप्रीम कोर्ट के दिये गये निर्णय के बाद सरकार नियम या अधिनियम में संशोधन कर प्रभावित शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से राहत देने की मांग की। ज्ञापन कार्यक्रम में अभय प्रताप सिंह, अभय पाण्डेय, अखिलेश मिश्रा, बालचन्द, शिवमंगल विश्वकर्मा, अतिउल्लाह, वीरेन्द्र बहादुर तिवारी, प्रकाश नाथ त्रिपाठी, महामंत्री यूटा हरिमोहन सिंह, सुशील सिंह, विनोद बजाज, कुलदीप भार्गव, रमेश चन्द, मनोज यादव, वीरेन्द्र बहादुर तिवारी, कुंवर प्रताप मल्ल आदि उपस्थित रहें।

हिन्दी दिवस पर हुआ काव्य गोष्ठी का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। हिन्दी दिवस के पावन अवसर पर 'राष्ट्रीय कवि संगम' सिद्धार्थनगर के तत्वावधान में कवि डा0 सुशील श्रीवास्तव सागर के आवास काव्यकुञ्ज श्रीवास्तव कालोनी बाँसी – सिद्धार्थनगर पर काव्य गोष्ठी आयोजित हुयी जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ कवि डा0 ज्ञानेंद्र द्विवेदी दीपक ने की और संचालन डा0 सुशील श्रीवास्तव सागर ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ नागरिक राम सरन लाल श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हिन्दी की महत्ता और उपयोगिता पर चिंतन और विचार किया गया तत्पश्चात कवियों ने अपनी रचना के माध्यम से सभी को भाव विभोर कर दिया। डा0 सुशील श्रीवास्तव सागर ने वाणी वंदना के पश्चात गीत 'हिन्दी है जन जन की भाषा हिन्दी है पहचान, हम सब हिन्दी भाषी हैं हम सबको है अभिमान।' पढ़कर कार्यक्रम को दिशा प्रदान की जिसे खूब सराहना मिली। तत्पश्चात वरिष्ठ कवि ब्रम्ह देव शास्त्री पंकज की रचना 'जिस हिंदी ने अपना परचम दुनिया में लहराया है, उस हिंदी को अपने घर में मान नहीं मिल पाया है।' पढ़ी और खूब तालियां बटोरी। फिर कवि भ्या कुमार मिश्र किशन ने 'पृष्ठ पर हिंदी सजेगी बूंद मसि का भार दो, है सरल लिखना इसे बस लेखनी में धार दो।' पढ़कर माहौल को खुशनुमा बनाया। कवि कुंज बिहारी कुंज ने अपनी रचना 'हिंदी में देश एवं ब्रम्हांड के सभी देवी देवताओं के नाम हैं, अन्तर मन से सोचिए कि अन्य भाषाओं का भारत में क्या काम है।' पढ़कर सोचने को विवश किया। कवि किशन जी वर्मा किशन ने 'मौन ही मौन से बोलता रह गया दिल से अपना पता पूछता रह गया, तुमसे मैं जब मिला मिलके हम हो गया, खुद ही खुद में खुदा ढूंढता रह गया।' पढ़कर आध्यात्मिक वातावरण उत्पन्न किया। देर रात तक चले कार्यक्रम में बाल जी श्रीवास्तव, भोला सिंह, दीप नरायन पाण्डेय दीप राम सरन श्रीवास्तव, दिनकर त्रिपाठी, सचिन, सुवर्णना श्रीवास्तवा, डा0 अमिता श्रीवास्तवा, श्रीमती त्रिभावती श्रीवास्तवा, श्रीमती अरुणा मिश्रा सहित जागरूक नागरिकों की उपस्थिति प्रासंगिक रही।

एक व्यक्ति को पोल में बांधकर ग्रामीणों ने दी तालिबानी सजा, वीडियो हुआ वायरल

दैनिक बुद्ध का संदेश
शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। जिले के थाना क्षेत्र शोहरतगढ़ अन्तर्गत महदेवा नानकार में एक व्यक्ति को पोल में बांधकर ग्रामीणो ने दी तालिबानी सजा दी, जिसका वीडियो वायरल हो रहा है। आपको बता दें कि एक तरफ जहां पुलिस अफवाहों पर न ध्यान देने की अपील कर रही है तो वहीं बेखौफ ग्रामीण एक व्यक्ति को चोर समझकर पोल में बांधकर तालिबानी जैसी सजा दे रहे हैं।

पुलिस के द्वारा अपील ग्रामीण ध्यान न देकर कानून अपने हाथ में लेकर खुद गलती कर रहे हैं। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक कुमार महाजन ने कल प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चोरी जैसी अफवाह और ड्रोन के अफवाहों में न पड़ने की अपील की थी। वहीं विकास खण्ड शोहरतगढ़ के ग्राम पंचायत महदेवा नानकार में एक युवक को चोर समझकर पोल में बांधकर लाठी व डण्डों से जमकर पिटाई किया, जिसका वायरल वीडियो रविवार रात 8 से वायरल हो रहा है। इस सम्बन्ध में थानाध्यक्ष शोहरतगढ़ सन्तोष कुमार तिवारी ने बताया की युवक की पिटाई कर वाले लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कोर्ट के निर्णय को लेकर टीईटी में पुनर्विचार याचिका दाखिल करने व संशोधन के संबंध में दिया ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश
डुमरियागंज। सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दाखिल करने तथा प्रधानमंत्री भारत सरकार को आर टी ई के धारा 23 (2) में संशोधन करने के सम्बंध में एक ज्ञापन मुख्यमंत्री को संबोधित सोमवार को शिक्षकों द्वारा पूर्व विधायक डुमरियागंज राघवेंद्र प्रताप सिंह को दिया गया। ज्ञापन में शिक्षक राम मिलन गौतम एवं धर्मराज दूबे व अन्य शिक्षकों द्वारा अवगत कराया गया है कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने (सिविल अपील संख्या 1885/2025 अंजुमन इशात तालीम ट्रस्ट बनाम महाराष्ट्र राज्य व अन्य में) पारित निर्णय में परिषदीय शिक्षकों के लिए टी.ई.टी. (शिक्षक पात्रता

परीक्षा) को उत्तीर्ण करना अनिवार्य कर दिया है। प्रदेश सरकार समय–समय पर शिक्षकों की भर्ती करती है और समय–समय पर विज्ञापन के माध्यम से अर्हता मांगी जाती है और अर्हय शिक्षकों का चयन होता है। वर्ष 2011 के पूर्व शिक्षकों के चयन में स्नातक व बी.एड./बी.पी.एड. उर्दू (विशेष विषय) के माध्यम से भर्ती हुई जिसमें 06 माह का प्रशिक्षण कराया गया, एवं प्रशिक्षण के बाद अर्हय शिक्षकों की परीक्षा हुई परीक्षा में सफल अभ्यर्थी का ही शिक्षक के पद पर नियुक्ति हुई वर्ष 2011 के पूर्व शिक्षकों का सेवाकाल 15 से 20 वर्ष पूर्ण हो चुका है। उक्त प्रकरण का संज्ञान लेकर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए शिक्षा अधिकार अधिनियम लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा से मुक्त करने की मांग शिक्षकों द्वारा की गई है।

जनपद में भी विशाल स्तर पर शिक्षक–शिक्षिकाओं ने एकजुट होकर किया विरोध दर्ज, डीएम को दिया ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूर्व से नियुक्त शिक्षकों पर लिए गये निर्णय के तहत टीईटी (उन्न) की अनिवार्यता लागू कर दी गई है। आदेश के अनुसार शिक्षकों को 2 वर्ष के भीतर टीईटी उत्तीर्ण करना होगा, अन्यथा सेवा से निवृत्ति का सामना करना पड़ेगा। इस निर्णय के विरोध में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आह्वान पर देशभर में ज्ञापन कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में सिद्धार्थनगर जनपद में भी विशाल स्तर पर शिक्षक–शिक्षिकाओं ने एकजुट होकर विरोध दर्ज कराया। कार्यक्रम की अगुवाई जिलाध्यक्ष आदित्य शुक्ला ने की। उनके साथ जिला महामंत्री पंकज त्रिपाठी, जिला कोषाध्यक्ष अभय सिंह तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिवपाल सिंह भी सक्रिय रूप से मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष आदित्य शुक्ला ने कहा कि "यह फैसला शिक्षकों की गरिमा और सम्मान पर आघात है। वर्षों से पढ़ा रहे शिक्षकों की परीक्षा से गुणवत्ता नहीं मापी जा सकती। सरकार को तुरंत इस पर पुनर्विचार करना चाहिए।" जिला महामंत्री पंकज त्रिपाठी ने कहा कि "शिक्षकों पर अचानक ऐसे नियम थोपना शिक्षा व्यवस्था को संकट में डालना है। टीईटी का प्रश्न नए अभ्यर्थियों के लिए हो सकता है, किन्तु पहले से कार्यरत शिक्षकों पर इसे लागू करना अन्यायपूर्ण है।" जिला कोषाध्यक्ष अभय सिंह ने कहा कि "सेवा निवृत्ति की धमकी देकर शिक्षकों पर दबाव बनाना असंवैधानिक है। यदि सरकार ने इस पर ठोस कदम नहीं उठाया तो शिक्षक समाज व्यापक आन्दोलन को बाध्य होगा।" इस अवसर पर भारी संख्या में

शिक्षक–शिक्षिकाएं जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में एकत्र हुए और सरकार से उच्चतम न्यायालय के निर्णय पर पुनर्विचार कर आवश्यक संशोधन की मांग की। शिक्षक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि यह निर्णय शिक्षकों के लिए असमान और अव्यावहारिक है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रेनु मणि त्रिपाठी, विजय भास्कर, विपुल सिंह, जे0पी0 गुप्ता, आनन्द पाण्डेय, अंजनी झा, नगीना राय, सुरेन्द्र गुप्ता, नवीन पाण्डेय, राहुल कुमार, इमरान, धर्मेन्द्र श्रीवास्तव, राकेश पाण्डेय, रमाकान्त गुप्ता, अरुण चतुर्वेदी, गोपेश दूबे, आशीष पाण्डेय, हरीशंकर सिंह, सन्तोष पाण्डेय, लोकेन्द्र कुमार, संजीव कुमार, अरुण भास्कर, अजय साहू, संगीत शुक्ला, प्रवीन मिश्रा, रमेश जायसवाल, रीता चौधरी, बबीता गुप्ता, बबीता यादव, प्रतिमा त्रिपाठी, प्रार्थना मिश्रा, संजय कर पाठक सहित अनेक शिक्षक–शिक्षिकाएं शामिल रहीं। सम्पूर्ण ज्ञापन कार्यक्रम शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ और जिले के शिक्षकों ने एक स्वर में शिक्षा हित और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प दोहराया।

मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता आधारित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला हुआ सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर के बेसिक शिक्षा विभाग एवं स्माइल फाउण्डेशन के सहयोग से आकांक्षी ब्लॉक परिवर्तन कार्यक्रम अन्तर्गत आकांक्षी विकास खण्ड खेसरहा के 10 प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापक/अध्यापिकाओं एकेडमिक रिसोर्स पर्सन एवं स्टेट रिसोर्स पर्सन का मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता पर आधारित एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन जनपद मुख्यालय पर हुआ। प्रशिक्षण में भाषा एवं गणित के अभ्यास एवं टीएलएम प्रयोग की विधियों के बारे में प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण में एक ग्रुप बनाकर आपसी विचारों एवं तकनीकी शिक्षा को साझा करते हुए क्रियान्वयन करने की योजना बनाई गई। कार्यशाला का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत गुणवत्ता शिक्षा, निपुण लक्ष्य प्राप्त करने हेतु अध्यापक/अध्यापिकाओं के साथ एकेडमिक रिसोर्स पर्सन एवं स्टेट रिसोर्स ग्रुप को प्रशिक्षित करना था। कार्यशाला के दौरान स्माइल फाउण्डेशन सिद्धार्थनगर एवं श्रावस्ती टीम की उपस्थिति रही।

खुले बाजार में बिक रहा है मिड डे मील का राशन

दैनिक बुद्ध का संदेश

चिल्हिया/सिद्धार्थनगर। जनपद में शिक्षा व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर गहरा सवाल खड़ा करने वाला मामला आज भी ठण्डे बस्ते में है। सदर विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय धुसुरी में बच्चों का मध्यान्ह भोजन का राशन खुलेआम बाजार में बिकता हुआ वीडियो पिछले वर्ष वायरल हुआ था। वीडियो में, विद्यालय का राशन एक ई-रिक्शा से गल्ला दुकान पर उतारते हुए साफ दिखाई देता है। यही नहीं, वीडियो में विद्यालय के प्रधानाध्यापक और जिम्मेदार चेहरे भी इस खेल में संलिप्त नजर आते हैं। उस वक्त यह वीडियो सामने आने के बाद पूरे इलाके में सनसनी मच गई थी। जनता को उम्मीद थी कि कठोर कार्रवाई होगी। लेकिन हैरानी की बात यह है कि पूरा एक साल बीत जाने के बाद भी न तो किसी शिक्षक को निलम्बित किया गया और न ही किसी अधिकारी पर गाज गिरी। जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर डॉ0 राजा गणपति आर0 की ईमानदारी और कड़ाई की चर्चा पूरे प्रदेश में होती है। लेकिन इस मामले में सवाल उठ रहा है कि उनकी मौजूदगी में भी क्यों अब तक भ्रष्टाचारियों पर शिकंजा नहीं कसा गया? आखिर किसके दबाव में शिक्षा विभाग इस मामले को दबाकर बैठा है? ग्रामीणों का आरोप है कि यह सिर्फ घोटाला नहीं बल्कि बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ है। एक ओर मासूम बच्चों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाता और दूसरी ओर जिम्मेदार अधिकारी उनके हिस्से का राशन बाजार में बेचकर अपनी जेबें भर रहे हैं। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर तत्काल कठोर कार्रवाई की जाये।

राप्ती नदी का बढ़ा जलस्तर, कटान से आधा दर्जन गांव खतरे में, ग्रामीणों ने की कार्रवाई की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज तहसील क्षेत्र से होकर बहने वाली राप्ती नदी का जलस्तर इन दिनों तेजी से बढ़ रहा है। जलस्तर बढ़ने के कारण नदी का तेज बहाव, बनगाई नानकार सहित आधा दर्जन से ज्यादा गांवों में बड़े पैमाने पर मिट्टी का कटान कर रहा है। इससे ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है और उन्होंने प्रशासन से इस संबंध में तत्काल उचित प्रबंध करने की मांग की है। क्षेत्र के रविन्द्र चौधरी, प्रदीप पाण्डेय, दीप चौधरी, महेन्द्र उपाध्याय, बाबूलाल और अन्य ग्रामीणों के अनुसार सीरसहारी, कोहलवा, जंगलडीह, सुकरौली और बनगाई नानकार जैसे गांव सीधे राप्ती नदी बांध से सटे हुए हैं। नदी का जलस्तर बढ़ने से इन गांवों के किनारे स्थित खेतों की मिट्टी लगातार कट रही है। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले वर्ष भी जलस्तर बढ़ने से गांवों के डूबने का खतरा पैदा हो गया था। उस समय प्रशासन के निर्देश पर मनरेगा योजना के तहत नदी पर नौ ठोकर (मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए बनाए गए बांध) बनाये गये थे, लेकिन तेज बहाव के कारण इनमें से सात ठोकर बह गये हैं। सैकड़ों बीघा फसलें हो रही बर्बाद बढ़ते जलस्तर से न केवल गांवों पर खतरा मंडरा रहा है, बल्कि ग्रामीणों की चिन्ता इसलिए भी अधिक है, क्योंकि इससे लगभग दो सौ बीघा से ज्यादा फसलें पानी में डूबकर बर्बाद हो जाती हैं। ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों से आग्रह किया है कि वे जल्द से जल्द मौके का निरीक्षण करें और समस्या का समाधान निकालें, ताकि गांव और फसलें दोनों सुरक्षित रह सकें।

पूर्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष का आपत्तिजनक वीडियो हुआ वायरल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर में पूर्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष का एक आपत्तिजनक वीडियो सामने प्रकाश में आया है। वीडियो में गौरीशंकर अग्रहरि एक लड़की के साथ शारीरिक सम्बन्ध बनाते दिखाई दे रहे हैं। जिसका किसी ने वीडियो बनाया है। मामला सामने आने पर भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने कहा कि गौरीशंकर अग्रहरि अगस्त 2023 से पार्टी में किसी भी पद पर नहीं हैं। जबकि सोशल मीडिया अकाउन्ट पर अभी भी गौरीशंकर अग्रहरि जिला उपाध्यक्ष लिखे हुए हैं। वहीं गौरीशंकर से बात करने पर उन्होंने बताया कि यह सब चलता रहता है। यह वीडियो राजनीतिक रूप से बदनाम करने के लिए फैलाया गया है। गौरीशंकर अग्रहरि बांसी नगर पालिका क्षेत्र के रहने वाले हैं। उन्होंने कहा कि यह वीडियो एडिट करके चलाया जा रहा है। पूरी बॉडी किसी और की है चेहरा मेरा सेट किया गया है। जिसने ऐसा किया है हम उसे जानते हैं। यह राजनीति के चक्कर में कर रहे हैं। इतना नीचे गिर जायेंगे, नहीं पता था। यह वीडियो मेरा नहीं है। वीडियो के जरिये हमें बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। मैं भाजपा के किसी पद पर भी नहीं हूं।

विश्व हिंदू परिषद संघ की बैठक संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विश्व हिन्दू परिषद सिद्धार्थनगर का जिला

योजना बैठक जिलाध्यक्ष ब्रजेश पाण्डेय की अध्यक्षता में शोहरतगढ़ में सम्पन्न हुआ। मुख्य वक्ता प्रान्त संगठन मंत्री राजेश जी का रहा, बैठक में सत्संग, बलोपासना, शक्तिकेन्द्र, बाल संस्कार पर विचार–विमर्श हुआ, संगठन विस्तार पर चर्चा के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर हो रही गतिविधियों पर तंत्र विकसित करना, लव्जेहाद, धर्मांतरण, लैण्ड जेहाद व हमारे कार्यक्रम रामोत्सव, स्थापना दिवस, दुर्गा अष्टमी, गोपाष्टमी, सौर्यदिवस, धर्मरक्षा दिवस, सामाजिक समरसता दिवस, हुतात्मा दिवस इत्यादि पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुआ। इस बैठक में प्रान्त संगठन मंत्री द्वारा राकेश मिश्र को जिला गौरक्षा प्रमुख, रजनीश उपाध्याय को जिला संस्कार प्रमुख, अजय सिंह को सुरक्षा प्रमुख, आशीष सिंह को जिला धर्म प्रसार प्रमुख तथा सौरभ रस्तोगी को बजरंग दल का सहसंयोजक मनोनीत किया गया। कार्यक्रम में प्रांत उपाध्यक्ष महादेव जी, प्रान्त बजरंग दल संयोजक दुर्गेश प्रताप जी, विभाग संयोजक अजय जी की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष ब्रजेश पाण्डेय जी एवं संचालन जिला मंत्री शिवा जी ने किया। बैठक में जिला कार्य कारिणी सहित बजरंग दल, दुर्गा वाहिनी, मातृशक्ति व प्रखंडो के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भाषा व गणित के नये शिक्षण पद्धतियों का प्रशिक्षण में सीख ले रहे शिक्षक

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। ब्लॉक संसाधन केन्द्र शोहरतगढ़ में बुनियादी भाषा एवं संख्यात्मक ज्ञान (एफएलएन) तथा एनसीईआरटी पाठ पुस्तकों पर आधारित पांच दिवसीय प्रशिक्षण के दूसरे चरण का शुरुआत सोमवार को हुआ। जिसमें पचास–पचास के बैच में शिक्षक प्रशिक्षण के लिये शामिल हुये। विकास क्षेत्र के विभिन्न प्राथमिक विद्यालयों से प्रतिभाग कर रहे शिक्षकों को प्रशिक्षकों द्वारा दूसरे चरण के प्रशिक्षण के पहले दिन परिचय सत्र के उपरान्त प्रशिक्षण के शेड्यूल की जानकारी साझा कर रजिस्ट्रेशन किया गया। प्रशिक्षकों ने बुनियादी साक्षरता भाषा एवं संख्या ज्ञान, एनइपी 2020, गणित मेला आधारित कक्षा चार व पांच के 42 दिवसीय शिक्षक योजना पर भी चर्चा किया

जानकारी दी। प्रशिक्षक प्रवीण कुमार यादव, सत्येन्द्र, आनन्द प्रकाश गौड़, रोबिन व मनोज यादव ने प्रतिभागी शिक्षकों को कक्षा एक, दो व तीन के भाषा एवं गणित के पाठ्यक्रम और गया। कक्षा शिक्षण को रुचिकर बनाने के लिए भाषा व गणित के सहयोगी शिक्षण सामग्रियों गणित किट, प्रिन्ट रिच सामग्री, चार्ट्स के उपयोग का तरीका प्रशिक्षकों ने बताया। खण्ड शिक्षा अधिकारी शोहरतगढ़ संजय कुमार के देख–रेख व दिशा निर्देश में चल रहे प्रशिक्षण में दो अलग अलग कमरों में पचास, पचास की संख्या वाले बैच के शिक्षकों आधुनिक तकनीक का सहयोग लेकर सुचारू प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में मोहित कुमार वर्मा, पल्लवी सिंह, निधि सिंह, प्रियंका, निजामुद्दीन, राजनाथ राम, सन्तोष कुमार, संजीव कुमार, रामशाद अली, शत्रुघ्न, सुरेन्द्र कुमार यादव, स्वाति वर्मा, विजय प्रताप चौधरी, दिशा मिश्रा, बुद्धि सागर, आकांक्षा यादव, अमित प्रताप सिंह, अनुराग श्रीवास्तव, हरेन्द्र, बहादुर सिंह, इब्राहिम, इमामुद्दीन, महेन्द्र यादव व धीरज त्रिपाठी आदि लोग शामिल रहें।

सौरभ रस्तोगी बने बजरंगदल के जिला सह संयोजक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। रविवार को जिला योजना बैठक दो सत्रो में सम्पन्न हुआ, मुख्य वक्ता प्रान्त संगठन मंत्री राजेश भाई साहब का रहा, जिसमें नवीन दायित्व की घोषणा हुई और सौरभ रस्तोगी को बजरंगदल का जिला सह संयोजक बनाया गया बैठक में सत्संग, बलोपासना, शक्तिकेन्द्र, बाल संस्कार पर विचार–विमर्श हुआ, संगठन विस्तार पर चर्चा के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर हो रही गतिविधियो पर तंत्र खड़ा विकसित करना, लवजेहाद, धर्मांतरण, लैण्ड जेहाद व हमारे कार्यक्रम रामोत्सव, स्थापना दिवस, दुर्गा अष्टमी, गोपाष्टमी, सौर्यदिवस, धर्मरक्षा दिवस, सामाजिक समरसता दिवस, हुतात्मा दिवस इत्यादि पर विस्तार पूर्वक वर्णन हुआ। कार्यक्रम में प्रांत उपाध्यक्ष महादेव, प्रान्त बजरंग दल संयोजक दुर्गेश प्रताप भाई साहब, विभाग संयोजक अजय, जिला संयोजक बृजेश गुप्ता जिला विद्यार्थी प्रमुख मोहित गुप्ता नगर संयोजक आशुतोष श्रीवास्तव, अन्य गुप्ता अभी त्रिपाठी मनोज यादव कुलदीप गुप्ता मिथिलेश पांडे चंद्रजीत यादव विशाल बलम चंदन गुप्ता उमंग अविनाश ऋषि की उपस्थिति रही। अध्यक्षता बृजेश ने किया, संचालन जिला मंत्री शिवा ने किया। बैठक में जिला कार्य कारिणी सहित बजरंग दल, दुर्गा वाहिनी, मातृशक्ति व प्रखंडो के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सामाजिक चेतना से समर्थ राष्ट्रनिर्माण होगा - विनय

महाराजगंज। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जनपद महाराजगंज के सदर खंड के तीन न्याय पंचायतों की बैठक खुटहा में आयोजित हुई जिसमें जिला प्रचारक विनय ने कहा कि राष्ट्र परिवर्तन के लिए समाज को ही संकल्प लेना होगा और समाज को जागरूक करने का कार्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कर रहा है। समाज में विभिन्न प्रकार की कुरीतियां व्याप्त हैं उसे समरस करने के लिए सामाजिक चेतना जागृत करने पड़ेगी।

उन्होंने कहा कि शताब्दी वर्ष में पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, स्वअनुशासन, पर पंच प्रण कार्यक्रम चल रहा है जिसमें जनपद के सभी घरों में संघ के स्वयंसेवक संपर्क करेंगे। बैठक को संबोधित करते हुए सदर खंड के कार्यवाह सुनील मिश्र ने कहा कि सदर खंड के आठ न्याय पंचायतों में पथ संचलन (मार्च पास्ट) कार्यक्रम आयोजित होगा और पूरी 60 ग्राम पंचायतों में घर–घर गहन संपर्क किया जाएगा। इस अवसर पर नंदकिशोर तिवारी, वीरेंद्र चौहान, मोलई प्रसाद, मनमोहन गुप्ता, विशाल चौधरी, पिंटू दुबे, आकाश गुप्ता, मिथिलेश अग्रहरि, कृष्ण कुमार, मजुराम प्रजापति, मनोज शर्मा, सचिन वर्मा रामबचन वर्मा सहित कई दर्जन स्वय सेवक उपस्थित थे।

बांसी के लाल विशाल ने लद्दाख मैराथन पूरा कर खारदुंगला चैलेंज किया क्वालीफाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। नगर निवासी धावक विशाल त्रिपाठी ने एक बार फिर जिले का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। उन्होंने दुनिया की सबसे ऊँची लद्दाख मैराथन, जो लगभग 17,000 फीट की ऊँचाई पर आयोजित होती है, को सफलतापूर्वक पूरा कर खारदुंगला चैलेंज के लिए क्वालीफाई किया। बताते चलें बांसी प्रतापनगर निवासी स्वयंसेवक संघ सिद्धार्थनगर के विभाग कार्यवाह शिवमूर्ति त्रिपाठी के पुत्र विशाल मणि त्रिपाठी इस मैराथन में 42.2 किलोमीटर की दूरी 5 घंटे 29 मिनट में पूरी की। लद्दाख मैराथन को दुनिया की सबसे कठिन मैराथनों में गिना जाता है, क्योंकि यहाँ कम

ऑक्सीजन स्तर, ऊँचाई पर सांस लेने में कठिनाई, कड़ी चढ़ाइयाँ और अनिश्चित मौसम जैसी परिस्थितियाँ धावकों की हिम्मत और धैर्य की कड़ी परीक्षा लेती हैं। उन्होंने बताया कि अपने अनुशासन और जज्बे के बल पर यह सफलता हासिल किया है और अब वे दुनिया की चौथी सबसे कठिन अल्ट्रा रन मानी जाने वाली खारदुंगला चैलेंज के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं। गौरतलब है कि विशाल इससे पहले भी अपनी क्षमता साबित कर चुके हैं। पिछले वर्ष उन्होंने थार मरुस्थल में आयोजित 100 किलोमीटर बॉर्डर रन, द हेल रेस सफलतापूर्वक पूरी कर अपनी सहनशक्ति और मानसिक मजबूती का परिचय दिया था। विशाल अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता–पिता और परिवार को देते हैं। उनका कहना है कि "मेरे माता–पिता का आशीर्वाद और परिवार का सहयोग ही मेरी असली ताकत है।

जब थकान या हार मानने का मन होता है, तब परिवार की याद ही मुझे नई ऊर्जा और हौसला देती है।" उनकी यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत जीत नहीं है, बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व का क्षण है। विशाल त्रिपाठी ने सिद्धार्थनगर का नाम रोशन कर यह संदेश दिया है कि अनुशासन, मेहनत और परिवार का साथ किसी भी असंभव लक्ष्य को संभव बना सकता है।

जिले में नेता का नाबालिक के साथ अश्लील हरकत करते वीडियो वायरल

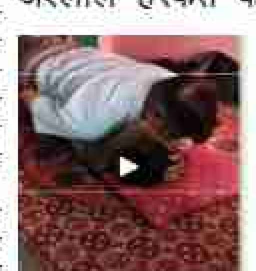

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर जिले में रविवार शाम एक राजनीतिकदल के नेता का युवती के साथ अश्लील हरकत करते वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो वायरल होते ही राजनीतिक दल ने अपनी पार्टी से निष्कासित कर दिया, घटना बांसी क्षेत्र का बताए जा रहे हैं। हालांकि, "दैनिक बुद्ध का संदेश" अखबार वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। इस मामले में कोई तहरीर नहीं दी गई है। रविवार की शाम यह अश्लील वीडियो वायरल हुआ। इसमें नेता जी एक युवती के साथ आपत्तिजनक हरकत करते दिख रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद लोग नेताजी की उम्र का हवाला देकर टिप्पणी कर रहे हैं। लड़की के नाबालिग होने का भी दावा किया जा रहा है। बांसी के थाना प्रभारी गौरव सिंह ने इस बारे में कहा कि शिकायत पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

लेकिन फिलहाल, प्राथमिकता के आधार पर ध्यान विस्थापित परिवारों के पुनर्वास पर देने की जरूरत है। उससे भी महत्वपूर्ण, राज्य में सक्रिय चरमपंथी समूहों के लोगों को हथियार डालने के लिये प्रोत्साहित करने की जरूरत है। विकास परियोजनाओं पर काम जल्दी शुरू करने तथा उनके ...

दीर्घकालिक शांति की जाए सुनिश्चित

लंबे समय तक अशांत रहे मणिपुर के मुद्दे पर अकसर विपक्ष आरोप लगाता रहा है कि प्रधानमंत्री मणिपुर क्यों नहीं जाते। अब यह प्रतीक्षित यात्रा हकीकत बनी है। कहा जा सकता है कि संघर्षरत राज्य की जनता के बीच विश्वास की कमी को दूर करने का यह सार्थक प्रयास जरूरी था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर को शांति और समृद्धि का प्रतीक बनाने का संकल्प जताया है। लेकिन मौजूदा चुनौतीपूर्ण स्थिति सरकार के संकल्प की परीक्षा लेगी। हालांकि,लगभग ढाई साल पहले भड़की जातीय हिंसा हाल के महीनों में, खासकर फरवरी में राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद कम हो गई है। लेकिन भविष्य में हिंसा की आशंका को निर्मूल नहीं कहा जा सकता है। ऐसी दशा में इस संवेदनशील राज्य में केंद्र सरकार को सामान्य स्थिति की बहाली और दीर्घकालिक शांति स्थापना के लिये हर संभव प्रयास करने चाहिए। दरअसल,राज्य में स्थायी शांति के मार्ग में जो एक सबसे बड़ी बाधा है, वह है पर्वतीय इलाकों में रहने वाले कुकी समुदाय और घाटी में रहने वाले बहुसंख्यक मैतेई समुदाय के लोगों के बीच लगातार कम होता विश्वास। ऐसे में सरकार का दायित्व बनता है कि दोनों समुदायों की आकांक्षाओं में संतुलन बनाए। ताकि दोनों समुदायों की चिंता और शिकायतों का शीघ्र समाधान किया जा सके। विगत में मैतेई समुदाय के लोग अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिये जाने की मांग करते रहे हैं। यह एक ऐसा विवादास्पद मुद्दा था, जिसने कुकी–जो समुदाय के लोगों में असुरक्षा व अशांति पैदा कर दी। जिसे दूर किए जाने की सख्त जरूरत है। दरअसल हाल के हिंसक संघर्ष ने राज्य में मतभेदों को मनभेद में बदल दिया है। कुकी–जो विधायकों के एक समूह, जिसमें भाजपा के भी सात विधायक शामिल हैं, ने कहा है कि दोनों पक्ष केवल अच्छे पड़ोसियों के रूप में शांति से रह सकते हैं,लेकिन फिर कभी एक छत के नीचे नहीं। उनकी मांग रही है कि गैर–मैतेई समुदायों के लिये अलग विधायिका सहित अलग केंद्रशासित प्रदेश बनाया जाए। यह सोच दोनों समुदायों के बीच गहरे मतभेद को उजागर करती है, जिसने मणिपुर को गहरी क्षति पहुंचायी है। इस पूर्वोत्तर राज्य में विधानसभा चुनाव होने में अभी डेढ़ साल बाकी है। राज्य में हिंसा की पुनरावृत्ति रोकने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार पर है ताकि विधानसभा चुनाव में देरी न हो। केंद्र सरकार को विधानसभा को लंबे समय तक निलंबित रखने के फायदे और नुकसान का भी आकलन करना होगा। लेकिन फिलहाल, प्राथमिकता के आधार पर ध्यान विस्थापित परिवारों के पुनर्वास पर देने की जरूरत है। उससे भी महत्वपूर्ण, राज्य में सक्रिय चरमपंथी समूहों के लोगों को हथियार डालने के लिये प्रोत्साहित करने की जरूरत है। विकास परियोजनाओं पर काम जल्दी शुरू करने तथा उनके क्रियान्वयन में तेजी लाने से भी मणिपुर के लोगों का विश्वास हासिल करने में मदद मिलेगी। ऐसे तमाम प्रयास मणिपुर के आहत लोगों की विश्वास बहाली में मददगार साबित हो सकते हैं। निस्संदेह, इस बार केंद्र सरकार की तरफ से कोई चूक नहीं होनी चाहिए।

प्रसन्नराघव में भगवान श्रीराम और माता सीता का वर्णन है

जयदेव की देववाणी ने प्रभु श्रीराम और माता सीता को भी स्वयं के काव्य प्रसंग का विषय बनाया। प्रसन्नराघव नाटक के रचयिता आचार्य जयदेव हैं, जिन्होंने भगवान श्रीराम की कथाओं पर आधारित इस नाट्य ग्रंथ की रचना की है। यह वाल्मीकि कृत रामायण पर आधारित है। दरअसल जयदेव संस्कृत के महाकवि थे। वे लक्ष्मण सेन शासक के दरबारी कवि थे। जयदेव गीतगोविन्द और रतिमंजरी के रचयिता थे। श्रीमद्भागवत के बाद राधा–कृष्ण लीला की अद्भुत साहित्यिक रचना उनकी कृति गीतगोविन्द को माना गया है। नाटक में राम–सीता के बीच के पूर्वानुराग (प्रेम) का प्रसंग और अन्य घटनाओं का वर्णन जयदेव की मौलिक कल्पना है, जो वाल्मीकि रामायण में नहीं मिलता। नाटक को श्रृंगारिक बनाने के लिए लेखक ने कई परिवर्तन किए हैं। जयदेव ने प्रसन्नराघव के अलावा दो और प्रसिद्ध ग्रंथ लिखे थे। पहला चन्द्रालोक जोकि काव्यशास्त्र से संबंधित ग्रंथ है। इसके साथ ही गीतगोविन्द जोकि एक गीतिकाव्य है। जयदेव एक 12वीं सदी के महान संस्कृत कवि थे, जिन्हें उनकी उत्कृष्ट रचना गीत गोविंद के लिए जाना जाता है, जिसमें राधा–कृष्ण के प्रेम और विरह का सुंदर वर्णन है। उनके पिता का नाम भोजदेव था और उनका विवाह पद्मावती से हुआ था, जो भगवान जगन्नाथ की भक्त थीं। उन्होंने ओडिशा के पुरी में निवास किया और यहीं उन्होंने गीत गोविंद की रचना की।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रमशक्ति के बेहतर उपयोग से सधेंगे आर्थिक लक्ष्य

इसके बाद मुशायरे को स्थगित कर दिया गया। राज्य की तरफ से संचालित अकादमी ने स्थगन के लिए कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया। ।सेव त्मंक – दमे्–पउंह्म मोदी के नैतिक साहस पर सवाल लेकिन इस घटना से समझा जा सकता है कि राज्य में धार्मिक विभेद कितना गहरा और असरकारी होता जा रहा है। ममता बनर्जी के लिए यह चेतावनी ही है कि वे बंगाल की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को इस तरह नष्ट...

यदि हम प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का समाधान कर सकें तो औसत आयु और शारीरिक विकास में और सुधार संभव है। भारत में आगामी जनगणना की घोषणा कर दी गई है, जिसमें जातिगत आंकड़ों को भी शामिल किया जाएगा। इस जातिवार जनगणना का उद्देश्य वंचित वर्गों की वास्तविक स्थिति का आकलन कर उनके कल्याण के लिए प्रभावी नीतियां बनाना है। हालांकि, यदि इस प्रक्रिया का राजनीतिकरण किया गया, तो इसके सामाजिक लाभ की बजाय केवल राजनीतिक नारों और वादों का शोर सुनाई देगा, जिससे वंचित वर्गों को वास्तविक लाभ मिलने की बजाय केवल निराशा ही हाथ लगेगी।

भारत में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के कारण जन्म और मृत्यु दर में उल्लेखनीय गिरावट आई है। पहले जहां कई शिशु उचित चिकित्सा के अभाव में पांच वर्ष की आयु पूरी नहीं कर पाते थे, अब उनकी संख्या आधी रह गई है। साथ ही, औसत आयु बढ़कर अब 72 वर्ष हो गई है, जो एक सकारात्मक संकेत है। यदि हम प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का समाधान कर सकें तो औसत आयु और शारीरिक विकास में और सुधार संभव है।

भारत में लोगों को रियायती राशन तो मिल रहा है, परंतु उन्हें गुणवत्ता युक्त जीवन और रोजगार की गारंटी नहीं मिल पा रही है। इसका सीधा असर बच्चों के पोषण पर पड़ रहा है। नतीजतन, देश में कुपोषण की समस्या बनी हुई है, जिससे कुछ बच्चे छोटे कद के पैदा हो रहे हैं। वहीं दूसरी ओर मोटापा भी स्वास्थ्य के लिए चुनौती है। हालिया आंकड़े

की वर्तमान में प्रजनन दर 1.9 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जबकि जनसंख्या को स्थिर बनाए रखने के लिए न्यूनतम दर 2.1 प्रतिशत होनी चाहिए। इस संबंध में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर भी सामने आया है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रजनन दर अभी भी 2.1 प्रतिशत है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह घटकर 1.6 प्रतिशत रह गई है। इसका सीधा अर्थ है कि शहरी क्षेत्रों में किशोर और युवा जनसंख्या की हिस्सेदारी धीरे–धीरे कम होती जाएगी, और वृद्ध जनसंख्या का अनुपात बढ़ेगा। इसके विपरीत, ग्रामीण भारत में यह असंतुलन अपेक्षाकृत कम देखने को मिलेगा। इस बदलाव का सामाजिक और भौतिक ढांचे पर भी असर दिखने लगा है। शहरी क्षेत्रों में अब वृद्धजनों के अनुकूल रहन–सहन की मांग बढ़ रही है। इसलिए नियोजित फ्लैट, वृद्धाश्रम, और ऐसी बस्तियों का निर्माण बढ़ रहा है जहां बुजुर्ग सुरक्षित और सहज जीवन व्यतीत कर सकें। यदि यह गिरती हुई प्रजनन दर बनी रहती है, तो आने वाले वर्षों में भारत की कार्यशील जनसंख्या में कमी आ सकती है। तब भारत को एक युवा देश कह पाना कठिन होगा। जिस प्रकार हम जापान और चीन के बारे में कहते हैं कि वहां वृद्धजन अधिक और युवाजन घटते जा रहे हैं, भारत के शहरी क्षेत्रों में भी यह स्थिति उभर सकती है, खासकर तब जब परिवार नियोजन पर अत्यधिक बल दिया जाए। साथ ही जनसंख्या परिवर्तन का राजनीतिक उपयोग भी देखा जा रहा है। कुछ वर्गों द्वारा इन आंकड़ों को अपने राजनीतिक एजेंडे के अनुसार प्रस्तुत किया जा रहा है, जिससे जनसंख्या नीतियों का संतुलन बिगड़ने की आशंका है। दक्षिण भारत, विशेषकर तमिलनाडु से यह स्वर उभरा है कि वहां के लोगों ने समय रहते परिवार नियोजन अपनाया, जबकि उत्तर भारत के राज्य जैसे उत्तर प्रदेश–बिहार इस दिशा में अपेक्षाकृत पीछे रह गए। इसका परिणाम यह हुआ कि देश में जनसंख्या वितरण असंतुलित हो गया है। अब जब जनसंख्या के आधार पर संसदीय प्रतिनिधित्व तय होता है, तो दक्षिण भारत को आशंका है कि कम जनसंख्या के कारण उन्हें नुकसान हो सकता है। लेकिन विडंबना है कि आधुनिकता के दावों के बावजूद भारत में महिलाओं को रोजगार और उन्नति के समान अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। केवल सीमित प्रतिशत में महिलाएं ही औपचारिक कार्य क्षेत्र में सक्रिय हैं, जबकि शेष घरेलू या खेतों में कार्यरत हैं, जिनका श्रम अक्सर अनदेखा रह जाता है। यदि देश को विकसित बनाना है, तो महिलाओं को समान भागीदारी देनी ही होगी। इसी तरह कुछ राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में औसत आयु में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो पा रही है, जिससे वहां की जनसंख्या बाकी देश के साथ कदम से कदम मिलाकर नहीं चल पा रही। यह एक निवेश विसंगति को जन्म देता है, जिसके समाधान के लिए सरकार को अपनी विकास प्राथमिकताएं पुनः तय करनी होंगी। यह सही है कि भारत जैसे बड़े देश में जन्म दर का घटना एक वरदान हो सकता है, लेकिन यह तभी सार्थक होगा जब देश की युवा पीढ़ी को योग्यता के अनुरूप रोजगार मिले। आज की शिक्षा प्रणाली छात्रों को उस दिशा में नहीं ले जा रही, जहां डिजिटल, नवाचार और रोबोटिक्स आधारित अर्थव्यवस्था की मांग है। अभी भी हम क्लर्क और पारंपरिक नौकरशाह तैयार करने वाली शिक्षा प्रणाली से बाहर नहीं निकल सके हैं।

लेखक साहित्यकार हैं।

> आज एक और ऐसा ही क्षण हमारे समक्ष है और हमें वर्तमान से निबटने के लिए अतीत से कई सबक सीखने होंगे। प्रथम, नेपाल की उथल–पुथल भारत को अपने पड़ोसियों से और ज्यादा नजदीकी जुड़ाव बनाए रखने की अहमियत याद दिलाए। दूसरा, भले ही भारत की विशिष्ट विदेश सेवा अधिकारियों को पश्चिम के जलस्रोतों का पानी अधिक सुहाता हो लेकिन बागमती, कोसी और...

पड़ोस के घटनाक्रम पर रहे पैनी नजर भारत की

नेपाल में जेन जी की हालिया हिंसक क्रांति अचंभित करने वाली थी। नेतृत्व से युवा तंग आ चुके थे। बहरहाल, नयी सरकार बनने तक पूर्व चीफ जस्टिस सुशीला कार्की को बतौर अंतरिम प्रधानमंत्री शपथ दिलाई गयी। इससे पूर्व दो अन्य पड़ोसी देशों के लोगों ने लोकतांत्रिक व्यवस्था कब्जाने के विरुद्ध इच्छाशक्ति दिखाई। भारत के लिए सबक है कि दक्षिण एशिया को ध्यान के केंद्र में रखे। पिछले हफ्ते की शुरुआत में नेपाल में क्रांति इतनी अचानक, इतनी त्वरित और इतनी नाटकीय थी कि भारत तक अचंभित रह गया। जब पूर्व नेपाली प्रधानमंत्री केपी ओली की सशस्त्र पुलिस ने युवा छात्र प्रदर्शनकारियों पर, जिनमें स्कूल यूनिफॉर्म पहने बच्चे भी शामिल थे, निर्ममता से गोलियां चलाईं, तो भारतीय अधिकारियों को तुरंत अहसास हो गया कि पुरानी व्यवस्था ढह रही है। वे तो 16 सितंबर से शुरू होने वाली ओली की भारत यात्रा की तैयारियां कर रहे थे। वे स्तब्ध थे कि इससे एकदम पहले ही घटनाओं ने अचानक बड़ा मोड़ ले लिया। भारत–नेपाल संबंधों की खासियत यह है कि यह इतना घनिष्ठ, इतना गहरा और अटूट है कि भारत के रिश्ते किसी अन्य देश के साथ इस जैसे नहीं है। पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने कुछ साल पहले तराई और भारत के उत्तरी सीमावर्ती इलाकों के बीच इस रोटी–बेटी के रिश्ते को दिल्ली के अभिजात वर्ग को बताकर चौंका दिया था, लेकिन यह मुहावरा नेपाल और भारत के बाकी हिस्सों के लिए भी उतना ही सच है। नेपाल के अभिजात वर्ग और सर्वहारा वर्ग– बाहुन और छेत्री, पहाड़ों के ब्राह्मण एवं क्षत्रिय, और निचले एवं मैदानी इलाकों के अन्य जातियों के लोग – भारत में विवाह करते आए हैं या बसे हैं और काम करते हैं और भारतीय भी इसी तरह से वहां रहते–काम करते हैं। रिश्तेदारी के बंधन पीढ़ियों को नया रूप देते रहे। अगर आप पटना से जनकपुर तक गाड़ी से जाते हैं, तो खुली सीमा पार करते समय कोई भी आपकी तरफ दुबारा गौर तक नहीं करता। आप

दलील दे सकते हैं कि यह बात तो भारत के हर पड़ोसी के लिए भी सच है, कि जातीयता, धर्म और संस्कृति –भूगोल एवं संप्रभुता– दोनों से परे होती है। निश्चित रूप से, यह उन तीन देशों के लिए विशेष रूप से सच है जिनके लोगों ने पिछले कुछ वर्षों में लोकतांत्रिक व्यवस्था को कब्जाने के विरुद्ध अपनी इच्छाशक्ति का प्रदर्शन किया है– 2022 में श्रीलंका, 2024 में बांग्लादेश और अब नेपाल। इन सभी क्रांतियों में छोटे–बड़े अंतरों के बावजूद, मौलिक समानता अभेद है। लोग इसलिए उठ खड़े हुए क्योंकि वे उस नेतृत्व से तंग आ गए, जिन्हें उन्होंने वोट डालकर चुना था लेकिन वे उन्हीं ही गले में फंदा डालकर मवेशियों की तरह हांकने लगे। काठमांडू में चीजें तेजी से बदलीं। नेपाल की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को देश के अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई जा चुकी है और संसद भंग कर दी गई है। तथापि, सत्ता के लिए संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है। ऐसे संकेत हैं कि नेपाली सेना प्रमुख अशोक राज सिग्देल, जिन्हें भारत–नेपाल विशेष संबंधों के चलते पिछले दिसंबर में भारत के राष्ट्रपति द्वारा भारतीय सेना में ब्रदर जनरल का मानद पद प्रदान किया गया था,अपनी स्थिति मजबूत करना चाहते हैं और संभवतः राजशाही समर्थक राजनेताओं के पक्ष में झुकाव रखते हैं। यह कभी न भूलें कि दशकों तक जब नेपाल के राजा शीर्ष पर थे, तत्कालीन शाही नेपाल सेना का हर सुबह पहला घोष था श्री पांच को सरकार जय जय हो! यह झटका सबसे हैरानीजनक वर्ग से आया है। कहा जाता है कि सेना प्रमुख चाहते थे कि राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल इस्तीफा देकर 'नव नेपाल' का मार्ग प्रशस्त करें, लेकिन पौडेल ने जवाब में कुछ इस तरह कहा 'आप मुझे गोली मार सकते हैं, लेकिन मैं लोकतांत्रिक बने रहना नहीं छोड़ूंगा।' पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली और शेर बहादुर देउबा जैसे अन्य राजनीतिक नेताओं के साथ, पौडेल को भी कुछ दिनों के लिए सेना की सुरक्षा में रखा गया था, लेकिन बाद में उन्हें उनके आधिकारिक आवास, शीतल निवास में वापस भेज दिया गया। फिर कुछ अनाम, चेहराविहीन जेनरेशन जेड के नेता हैं, हो सकता है जिनके गुट पिछले इन कुछ दिनों से आपस में झगड़ रहे होंगे, लेकिन वे सबसे महत्वपूर्ण अगले कदम पर अड़े हुए हैं: राजशाही की वापसी कतई नहीं। और नेपाल का संविधान, जो पिछली क्रांति, 2006 के जन आंदोलन के बाद अंततः 2015 में अस्तित्व में आया था,उसे खारिज नहीं किया जा सकता। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि नेपाल के दो सबसे महत्वपूर्ण पड़ोसी, भारत और चीन, क्या सोच रहे हैं। चीन ने अभी तक एक शब्द भी नहीं कहा है। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और प्रधानमंत्री मोदी ने काठमांडू को तहस–नहस करने वाली हिंसा को दिल दहला देने वाली बताया है। हालांकि, दिल्ली में किसी भी अन्य राजनीतिक दल की चुप्पी गौरतलब है – उन सभी को चुप रहने के लिए कहा गया है, जो कि होना नी चाहिए। भारत इस क्षेत्र के इस बेहद महत्वपूर्ण अंग के साथ बहुत सावधानी से बरत रहा है। कहा जा रहा है कि नेपाल में भारत प्रगतिशील, धर्मनिरपेक्ष और संवैधानिक ताकतों का समर्थन करना जारी रखेगा, जैसा कि उसने अतीत में हमेशा किया है। साल 2006 के जन आंदोलन के दौरान भी भारत के तत्कालीन विदेश सचिव श्याम सरनकुअौर द ट्रिब्यून के एक स्तंभकार ने पारंपरिक लीक से हटकर घोषणा की थी कि भारत 19 दिनों तक चले समतावादी विरोध के समर्थन में है। अप्रैल 2006 की उस आधी रात को, मैंने काठमांडू की सड़कों पर अविश्वसनीय खुशी देखी क्योंकि भारत ने सही चुनाव किया था।

रूस से तो अब भर–भरकर तेल खरीद रहा भारत, रिकॉर्डतोड़ आंकड़े देख ट्रंप अपना माथा पकड़ लेंगे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को लेकर भारत को चेतावनी दी। फिर भारत पर टैरिफ भी लगाया। लेकिन इस टैरिफ का भारत पर कितना असर हुआ। ये जवाब अब भारत रूसी तेल खरीदारी से दे रहा है। जहां भारत को रोकने की अमेरिका ने पूरी तरह से कोशिश की। वहीं इस कोशिश का जवाब भारत की तरफ से रूसी तेल खरीदारी के रूप में आ रहा है। दरअसल, भारत ने रिकॉर्ड स्तर पर रूस से तेल खरीदना अभी भी बंद नहीं किया है। अगस्त में भारत ने पिछले महीने यानी की जुलाई के मुकाबले ज्यादा तेल खरीदा है। वहीं रूस से तेल खरीदने में चीन भी पीछे नहीं हटा। चीन भी बराबर और बड़े स्तर पर तेल खरीद रहा है। जुलाई के मुकाबले अगस्त में चीन ने रूस से तेल जरूर कम खरीदा। लेकिन ये इतना कम नहीं था की रूस को झटका लगे।

अगस्त में तो भारत ने रूस से लगातार तेल खरीदकर अमेरिका को मुंहतोड़ जवाब दे दिया। अगस्त में भारत ने रूस से 2.9 बिलियन यूरो यानी करीब साढ़े तीन अरब डॉलर का तेल खरीदा। ये चीन के 3.1 बिलियन यूरो यानी 3.64 अरब डॉलर के बहुत करीब है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत का तेल आयात जुलाई में 2.7 बिलियन यूरो था। अगस्त में ये बढ़कर 2.9 बिलियन यूरो हो गया है। वहीं चीन का तेल आयात जुलाई में 4.1 बिलियन यूरो था जो अगस्त में घटकर 3.1 बिलियन यूरो हो गया। चीन ने रूस से तेल खरीदने में थोड़ी कमी जरूर लाई। लेकिन भारत ने तो सबको चौंका दिया। भारत ने 50 प्रतिशत टैरिफ के बावजूद जुलाई में रूस से रिकॉर्डतोड़ स्तर पर तेल खरीदा। भारत का तेल आयात जुलाई से बढ़कर अगस्त में और ज्यादा दिख रहा है। अमेरिका भारत पर दबाव डाल रहा है कि वो रूस से तेल न खरीदे। लेकिन इस धमकी के

बावजूद भारत तो लगातार रिकॉर्डस्तर पर तेल खरीदकर सबको चौंका रहा है।

यूक्रेन ड्रोन हमलों से प्रभावित रूसी तेल रिफाइनरियाँ लड़खड़ा रही हैं। लेकिन भारत ने रूस ने इस संकट को एक अवसर में बदल दिया है। रूसी और मध्य पूर्वी तेल की कीमतों में भारी अंतर ने भारतीय रिफाइनरियों को आकर्षित किया है। यूराल क्रूड ब्रेंट की कीमतों से 5–6 डॉलर प्रति बैरल कम पर उपलब्ध है, जो उस उद्योग में काफी बचत दर्शाता है जहाँ कीमतों में मामूली बदलाव लाभप्रदता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। अगस्त 2025 में यूक्रेन ने अब तक का अपना सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया, जिसने रूस के तेल उद्योग के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर हमला किया गया। यूक्रेनी सेना ने देश भर में कई प्रमुख तेल रिफाइनरियों पर हमले किए। ईटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, इन हमलों से इन रिफाइनिंग संयंत्रों को भारी नुकसान पहुँचा, जिससे रूस की कुल रिफाइनिंग क्षमता का लगभग पाँचवाँ हिस्सा निष्क्रिय हो गया और घरेलू ईंधन की कमी हो गई।

व्यवस्थित ड्रोन हमलों ने 10 आवश्यक रिफाइनरियों के संचालन को प्रभावित किया, जिससे रूस की प्रसंस्करण क्षमता 20% से ज्यादा कम हो गई, जो 1.1 मिलियन बैरल प्रति दिन (बीपीडी) के बराबर है, जिससे पहले से ही दबाव में चल रही प्रणाली के लिए गंभीर चुनौतियाँ पैदा हो गईं। इन हमलों ने सिजरान रिफाइनरी, क्रास्नोडार संयंत्रों, द्रुज्बा पाइपलाइन और उस्त–लुगा टर्मिनल सहित महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे को प्रभावित किया, जिससे रूस के ऊर्जा वितरण नेटवर्क की कमजोरियाँ उजागर हुईं। रूस ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपने कच्चे तेल के निर्यात में प्रतिदिन 2,00,000 बैरल की वृद्धि करके जवाब दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालाँकि इस रणनीति से अल्पकालिक समाधान तो मिले लेकिन इसके परिणामस्वरूप घरेलू ईंधन आपूर्ति कम हो गई, जिससे रूस के लिए मुश्किलें खड़ी हो गईं।

पाकिस्तान की हार पर बौखलाए शोएब अख्तर, भारतीय खिलाड़ियों पर दे डाला ये बयान

एशिया कप 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ मैदान पर भारत का प्रदर्शन बेहद दमदार रहा। जिसके बाद भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से मात दी, लेकिन मैच के बाद भारतीय खिलाड़ियों के एक कदम ने नया विवाद खड़ा कर दिया। दरअसल, मुकाबला खत्म होने के बाद पाकिस्तान टीम हैंडशेक के लिए खिलाड़ियों का इंतजार कर रही थी, लेकिन टीम इंडिया का कोई भी खिलाड़ी मैदान पर हाथ मिलाने नहीं आया। साथ ही सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रही है जिसमें टीम इंडिया के खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम का दरवाजा बंद करते हुए दिख रहे हैं। वहीं भारत के इस कदम ने पाकिस्तान के पूर्व तेज

गेंदबाज शोएब अख्तर को निराश किया। पाकिस्तान के एक टीवी शो पर बातचीत के दौरान उन्होंने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा, मैं हैरान हूं, बोलने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं, ये देखकर दुख हुआ। क्रिकेट को राजनीतिक मत बनाइए। हम आपके बारे में हमेशा अच्छी बातें कहते आए हैं। हैंडशेक न करने पर बहुत कुछ कहा जा सकता है, लेकिन मेरी नजर में इसे भूल जाना ही बेहतर है। घर के अंदर भी झगड़े होते हैं, पर उन्हें खत्म करके आगे बढ़ना चाहिए। क्रिकेट का असली मतलब यही है कि मैच के बाद हाथ मिलाइए और गरिमा बनाए रखिए। इस मैच में पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा पोस्ट–मैच सेरेमनी में मौजूद नहीं थे। शोएब अख्तर ने पाकिस्तानी कप्तान के इस फैसले का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि, सलमान अली आगा ने सही किया कि वह सेरेमनी में नहीं गए उन्होंने बहुत अच्छा किया। फिलहाल, भारत ने पाकिस्तान को ग्रुप ए मुकाबले में करारी शिकस्त दी। रविवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस हाई–वोल्टेज मैच में भारतीय टीम ने पहले शानदार गेंदबाजी करते हुए पाकिस्तान को 20 ओवर में 127/9 पर रोक दिया। जवाब में टीम इंडिया ने लक्ष्य सिर्फ 15.5 ओवर में तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया था।

पाकिस्तान से हाथ नहीं मिलाने पर टीम इंडिया पर होगा एक्शन? जानें क्या कहता है नियम

एशिया कप 2025 में रविवार को भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से मात देकर अपनी दूसरी जीत दर्ज की। पूरे मैच में भारत का दबदबा देखा गया, पाकिस्तान हर क्षेत्र में फेल रही। हालांकि, सबसे ज्यादा चर्चा इनो हैंडशेकर को लेकर रहा। दरअसल, पहले टॉस के दौरान और फिर मैच जीतने के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तानी

खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया। मैच खत्म होने के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ी ग्राउंड पर हैंडशेक के लिए इंतजार करते रहे लेकिन कोई भी भारतीय खिलाड़ी मैदान पर नहीं आया।

सूर्यकुमार यादव ने कंफर्म किया कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाने के फैसले का बीसीसीआई से समर्थन प्राप्त था, ये फैसला टीम का था। टॉस के बाद शीट भी नहीं बदली, ये भी टीम के एक सदस्य का निर्णय था। अब सवाल ये उठता है कि क्या इस पर कोई नियम है जिस कारण भारतीय टीम पर जुर्माना लग सकता है।

वहीं मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पाकिस्तानी कोच माइक हेसन ने कहा कि, टीम हाथ मिलाने का इंतजार कर रही थी लेकिन भारतीय खिलाड़ी नहीं आए। इस कारण ही सलमान अली आगा प्रेजेंटेशन में नहीं आए। बता दें कि, इसके बाद पाकिस्तान टीम की नाराजगी मैच तक पहुंची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि टीम के मैनेजर ने भारत के खिलाफ औपचारिक विरोध दर्ज करवाया है। क्योंकि उन्होंने कप्तानों से टॉस के दौरान हाथ न मिलाने का अनुरोध किया था।

क्या कहता है नियम?

क्रिकेट के नियमों में कहीं नहीं लिखा कि हाथ मिलाना जरूरी है। टॉस के समय या मैच के बाद हाथ मिलाना खेल भावना का हिस्सा है। स्पिरिट ऑफ क्रिकेट के कारण ही हर मैच के बाद खिलाड़ी आपस में मिलते हैं।

वहीं टीम पर किसी प्रकार का कोई जुर्माना नहीं लगेगा। क्योंकि हाथ मिलाने को लेकर ऐसा कोई नियम नहीं बना है। हालांकि, इस दौरान किसी खिलाड़ी द्वारा कोई गलत हरकत या अपशब्द कहे जाने पर जुर्माना लगने का प्रावधान जरूर है। लेकिन कोई जानबूझकर हाथ नहीं मिलाए इसे खेल भावना के विपरीत माना जाता है।

सेंट्रल जोन ने जीता दलीप ट्रॉफी का खिताब, कप्तान रजत पाटीदार ने 10 साल बाद टीम को बनाया चैंपियन

रजत पाटीदार की कप्तानी वाली सेंट्रल जोन ने फाइनल में साउथ जोन को 6 विकेट से हराकर दलीप ट्रॉफी 2025 का खिताब जीत लिया। रजत पाटीदार और उनकी टीम को बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले गए मुकाबले के पांचवें दिन दो घंटे से भी कम समय में मैच अपने नाम कर लिया। सेंट्रल जोन ने पहले दिन से ही मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा और साउथ जोन को पहली पारी में महज 149 रनों पर ढेर कर दिया। सारांश जैन को प्लेयर ऑफ द सीरीज से नवाजा गया। जबकि यश राठौड़ प्लेयर ऑफ द मैच बने।

साउथ जोन को छह विकेट से हराकर 11 साल के अंतराल के बाद दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट का चैंपियन बनने का गौरव सेंट्रल जोन ने हासिल किया। सेंट्रल जोन के सामने 65 रन का मामूली लक्ष्य था लेकिन साउथ जोन के गेंदबाजों ने उनके बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा ली। लक्ष्य बहुत बड़ा नहीं था और ऐसे में सेंट्रल जोन को उसे हासिल करने में बहुत ज्यादा परेशानी नहीं हुई। अक्षय वाडकर (नाबाद 19 रन, 52 गेंद) और पहली पारी के शतकवीर यश राठौड़ (नाबाद 13 रन, 16 गेंद) तब क्रीज पर थे, जब मध्य क्षेत्र ने 20.3 ओवर में चार विकेट पर 66 रन बनाकर

लक्ष्य हासिल किया और दलीप ट्रॉफी में अपना सातवां खिताब जीता।

बाएं हाथ के स्पिनर अंकित शर्मा ने दानिश मालेवार (05) को आउट किया। उनकी गेंद तेजी से घूमी और बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर मोहम्मद अजहरुद्दीन के पास पहुंची। बाद में उन्होंने सेंट्रल जोन के कप्तान रजत पाटीदार का विकेट भी लिया, जो जल्दबाजी में स्लॉग स्वीप खेलने के चक्कर में मिड–ऑन पर एमडी निधिश के हाथों कैच आउट हो गए।

रविवार को भारत ए टीम में शामिल किए गए तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने शुभम शर्मा और सारांश जैन (जिन्हें बाद में सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया) के विकेट चटकाए। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी राठौड़ और वाडकर ने इसके बाद सेंट्रल जोन को लक्ष्य तक पहुंचाया। पाटीदार का कप्तान के रूप में यह इस वर्ष का दूसरा खिताब है। इससे पहले उन्होंने आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जीत दिलाई थी और वह इससे काफी खुश हैं। उन्होंने मैच के बाद रजत ने कहा कि, हर कप्तान को ट्रॉफी जीतना पसंद होता है। हमारे खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में जबरदस्त जज्बा दिखाया और मैं इससे बहुत खुश हूं।

दूसरी तरफ साउथ जोन के कप्तान अजहरुद्दीन ने कहा कि दलीप ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचना उनके लिए लंबे घरेलू सत्र में प्रेरणा का काम करेगा, जो अब 15 अक्टूबर से रणजी ट्रॉफी चरण में प्रवेश करेगा। उन्होंने कहा कि, आगे घरेलू सत्र काफी लंबा है और मुझे पूरा विश्वास है कि हमें यहां मिले अनुभव का फायदा मिलेगा।

भारत–पाकिस्तान के बीच दो मैच और खेले जाएंगे! जानें एशिया कप 2025 में दोनों देशों की टक्कर का पूरा समीकरण

दुबई में खेले गए एशिया कप 2025 के छठे मैच में भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया। इस मैच में मिली जीत के साथ

ही टीम इंडिया ने सुपर–4 के लिए अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। वहीं अब उसका अगला मुकाबला 19 सितंबर को ओमान के साथ होगा। फिलहाल, पाकिस्तान को पस्त कर भारत अपने ग्रुप ए में टॉप पर काबिज है। उसके 4 अंक हैं।

लेकिन यह कहानी अभी यहीं खत्म नहीं होगी बल्कि आगे और रोमांच आने वाला है। दरअसल, इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान की टक्कर एक नहीं बल्कि दो बार हो सकती है। क्या है इसके पीछे का पूरा समीकरण हमारी इस रिपोर्ट में जानें–

बता दें कि, पाकिस्तान को हराकर भारत का एशिया कप 2025 के सुपर 4 में पहुंचना लगभग तय है। दूसरी ओर, पाकिस्तान की टीम को अगर यूएई पर जीत मिलती है तो भी वह अगले दौर में पहुंच जाएगी। अगर ऐसा हुआ तो 21 सितंबर को सुपर–4 में भारत–पाकिस्तान की एक बार फिर टक्कर होगी।

इतना ही नहीं अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंच गईं तो 28 सितंबर को फिर दोनों एक–दूसरे से भिड़ेंगी। यानी इस बार एशिया कप 2025 में भारत–पाकिस्तान की टक्कर तीन बार हो सकती है।

फिलहाल, एशिया कप 2025 के छठे मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से रौंद दिया। इस दौरान पाकिस्तान के बल्लेबाज और गेंदबाज फेल हुए। वहीं भारत का प्रदर्शन हर फील्ड में बेहतरीन रहा।

मुस्लिमों को ब्रिटेन से निकालेगा ये तगड़ा आदमी, टूट पड़े 3 लाख लोग

13 सितंबर को लंदन की सड़कों पर लाखों लोग थे जो खुद को राष्ट्रभक्त बोल रहे थे। एक लाख से ज्यादा लोग लंदन में अवैध प्रवासी के मुद्दे पर प्रदर्शन करने निकले। कई लोगों का कहना है कि ये संख्या तीन लाख तक पहुंच गई थी। इस बड़े प्रदर्शन को यूनाइट द किंगडम नाम दिया गया। इस प्रदर्शन को एंटी इमीग्रेशन नेता टॉमी रॉबिन्सन लीड कर रहे थे। इस प्रदर्शन को ब्रिटेन की सबसे बड़ी दक्षिणपंथी रैली माना जा रहा है। हैरानी की बात देखिए कि इस प्रदर्शन में टेस्ला के मालिक एलन मस्क भी अमेरिका से जुड़ गए और उन्होंने ब्रिटेन के लोगों से कहा कि या तो लड़ो या फिर मरो। ऐसे में सवाल है कि लंदन में पूरी जनता को अपने साथ सड़कों पर लाने वाले टॉमी रॉबिन्सन कौन हैं। टॉमी रॉबिन्सन इस्लाम के खिलाफ क्यों हैं और वो मुस्लिमों को देश से क्यों निकालना चाहते हैं?

प्रदर्शनकारियों के नेता रॉबिन्सन कौन है

असली नाम: स्टीफन क्रिस्टोफर येक्सली–लेनन।

जन्म: 27 नवंबर 1982, ल्यूटन, इंग्लैंड।

पेशा: राइट एक्टिविस्ट, पूर्व म्स्क नेता, पत्रकार।

पहचान: इस्लाम विरोधी और एंटी इमिग्रेशन अभियान के लिए।

जेल: 2005 से अब तक 6 बार जेल जा चुके हैं। जनवरी में डेली मेल पत्रकारों पर के मामले हैरेसमेंट में जेल भी गए थे।

मुस्लिमों को देश से क्यों निकालना चाहते हैं?

टॉमी रॉबिन्सन के मुताबिक लाखों लोगों के इस प्रदर्शन का मकसद ब्रिटेन में अवैध प्रवासन के खिलाफ आवाज उठाना है। ये लाखों प्रदर्शनकारी मांग कर रहे हैं कि अवैध प्रवासियों को देश से बाहर निकाला जाए। इस साल 28 हजार से ज्यादा प्रवासी नावों में बैठकर इंग्लीश चैनल के जरिए ब्रिटेन में घुस गए। इसी से घबराकर अब लंदन की सड़कों पर लोग निकल आए हैं। इन लोगों का मानना है कि हमारी जान अब खतरे में है। टॉमी रॉबिन्सन के मुताबिक ब्रिटेन में जानबूझकर मुस्लिम शरणार्थियों और प्रवासियों को गैर कानूनी तरीके से लाकर बसाया जा रहा है ताकी इन सभी का इस्तेमाल लेबर पार्टी जैसे राजनीतिक दल वोट बैंक की तरह कर सकें। ब्रिटेन में जितने ज्यादा प्रवासी होंगे उतने ज्यादा वोट होंगे। आपको बता दें कि ब्रिटेन में लेबर पार्टी की सरकार मुस्लिम प्रवासियों की वजह से ही सत्ता में आई है। इसलिए ब्रिटेन में लाखों लोग मुस्लिम प्रवासियों के साथ खड़े लेबर पार्टी के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से इस्तीफा मांग रहे हैं।

पुलिस बोली– गाली–गलौज, हमला किया

पुलिस अफसर मैट ट्विस्ट ने कहा कि कई लोग शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने आए थे, लेकिन बहुत से ऐसे भी थे जो सीधे तौर पर लड़ाई–झगड़े के इरादे से पहुंचे थे। उन्होंने पुलिस पर हमला किया, गाली–गलौज की और बैरिकेड तोड़ने की पूरी कोशिश की त रॉबिन्सन ने भीड़ से कहा कि अब कोर्ट में प्रवासियों को ब्रिटिश लोगों से ज्यादा हक मिल रहे हैं। उन लोगों से ज्यादा, जिन्होंने इस देश को बनाया है। रॉबिन्सन के समर्थक स्टार्मर के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे।

जंगल में अज्ञात हमलावरों ने पिता पुत्र पर किया हमला, पिता की मौत पुत्र गंभीर घायल

गोण्डा। जंगल में लकड़ी बीनने गए पिता पुत्र पर अज्ञात लोगो द्वारा किये गए हमले में पिता की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना जिले के थाना खरगुपुर अंतर्गत ग्राम शिवगढ़ की है। मिली जानकारी के मुताबिक शिवगढ़ निवासी गंगाराम विश्वकर्मा अपने बेटे अनोखीलाल के साथ प्रतिदिन की तरह आज सुबह पास के जगल में लकड़ी बीनने गए हुए थे। इसी बीच किसी अज्ञात व्यक्ति ने दोनों पर अचानक हमला कर लहुलुहान कर दिया। घटना में शिवगढ़ चौराहा निवासी 65 वर्षीय गंगा सागर विश्वकर्मा की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनका पुत्र अनोखी लाल विश्वकर्मा गंभीर रूप से घायल हो गया। हालांकि अनोखी के शोर मचाने पर लोग पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने एम्बुलेंस से घायल को सीएचसी खरगुपुर भेजा जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत देख उसे गोण्डा रेफर किया गया। वहीं पुलिस ने शव को अंत्यपरीक्षण हेतु पोस्टमार्टम भेज दिया है। घटना की जानकारी होने पर सीओ ने पुलिस टीम सहित पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू की। घटना के बारे में थानाध्यक्ष खरगुपुर ने बताया की घटना सुबह लगभग साढ़े दस बजे घटी है हत्या करने वालों की अभी पहचान नहीं हो पाई है, पुलिस जाँच कर रही है।

गोण्डा में समिति स्तरीय सट्टा प्रदर्शन मेला 19 सितम्बर से

गोण्डा। गन्ना समिति गोण्डा में सट्टा प्रदर्शन मेला 19 सितंबर दिन शुक्रवार से प्रारंभ होगा। ज्येष्ठ गन्ना निरीक्षक गोण्डा सुनील शुक्ल ने बताया कि ये समिति स्तरीय सट्टा प्रदर्शन मेला 28 सितंबर तक (अवकाश के दिनों को छोड़कर) चलेगा। सट्टा प्रदर्शन मेला में सर्किल वार काउंटर बनाए जाएंगे। जिन पर राजकीय गन्ना पर्यवेक्षकों के साथ चीनी मिल के कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि ग्राम स्तरीय सट्टा प्रदर्शन के बाद कार्यक्रम के बाद अब प्री कैलेंडर को ईगन्ना एप तथा वेबसाइट केनयूपी डाट इन (केनयूपी डाट इन) पर लाइव कर दिया गया है, जिसे किसान भाई डाउनलोड कर सकते हैं। किसान भाई प्री कैलेंडर में दर्ज पौधाप्पेड़ी व अन्य सूचनाओं का अवलोकन अवश्य कर लें और यदि कोई त्रुटि हो तो सट्टा प्रदर्शन मेला में आकर अपनी शिकायत अवश्य दर्ज करा दें। सट्टा प्रदर्शन मेला में प्राप्त आपत्तियों के निस्तारण के उपरांत डाटा अंतिम रूप से लॉक कर दिया जाएगा जिसके पश्चात किसी प्रकार की आपत्ति ग्राह्य नहीं होगी। उन्होंने किसान भाइयों से सट्टा संशोधन के अंतिम अवसर का पूरा लाभ उठाने का अनुरोध किया है।

आगामी नवरात्रि व दशहरा त्योहार को लेकर पीस कमेटी कि हुई बैठक

कुशीनगर। आगामी नवरात्रि व दशहरा पर्व को लेकर जटहा बाजार थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष आलोक यादव ने कि, बैठक में क्षेत्र के संभ्रांत नागरिक, दुर्गा पूजा समिति के सदस्य, जनप्रतिनिधि और बिट पुलिस मौजूद रहे। थानाध्यक्ष आलोक यादव ने कहा कि त्योहारों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने पूजा समितियों से अनुरोध किया कि वे निर्धारित समय और नियमों के तहत आयोजन करें तथा प्रशासन का सहयोग करें। थानाध्यक्ष ने लोगों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और कोई समस्या होने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। इस अवसर पर कई गणमान्य नागरिकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और त्योहारों के दौरान बेहतर समन्वय बनाकर योगदान देने कि बात कही।

करंट की चपेट में आने से मासूम बच्ची की दर्दनाक मौत

जटहा बाजार/कुशीनगर। विशुनपुरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम सभा नरहरिया के ढिबनी टोला से एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है। रविवार सुबह करंट की चपेट में आने से 9 वर्षीय मासूम बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ढिबनी चौराहा निवासी परमात्मा विश्वकर्मा की बेटी रोशनी (9 वर्ष) सुबह लगभग 5 बजे अपनी दादी के साथ घर के दरवाजे पर मौजूद थी। इसी दौरान वह खेलते–खेलते घर के पास जमीन से कटेन में लगे लोहे के पाइप को पकड़ बैठी। दुर्भाग्यवश, उस पाइप में करंट प्रवाहित हो रहा था। करंट लगते ही रोशनी पाइप से चिपक गई और हाथ छुड़ा नहीं पाई। कुछ समय बाद जब बच्ची अचानक जमीन पर गिरी, तो दादी की नजर उस पर पड़ी और उन्होंने शोर मचाया। परिजन तुरंत बच्ची को निजी साधन से लेकर जिला अस्पताल पहुँचे, जहाँ डॉक्टरों ने रोशनी को मृत घोषित कर दिया। बच्ची की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार शव को घर वापस लेकर आए और परम्परागत रीति–रिवाज से अंतिम संस्कार कर दिया गया। गांव में इस हृदयविदारक घटना से शोक की लहर है।

धार्मिक झण्डे का अपमान करने की आरोप में एक गिरफ्तार

श्रावस्ती। थाना कोतवाली भिनगा क्षेत्र के बन्दिहवा पुलिस चौकी अन्तर्गत धार्मिक झंडे का अपमान करने का एक वायरल वीडियो की खबर क्षेत्र में आग की तरह फैल गयी। वायरल वीडियो को देखते हुए विशेष समुदाय के लोग आक्रोशित हो उठे तथा भारी संख्या में लोग बन्दिहवा पुलिस चौकी पर पहुंचकर तहरीर दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर मुस्तैद हो गयी मगर हालात काबू न होते देख इसकी सूचना अपने आलाधिकारियों को दी। मौके पर पहुंचे एसडीएम भिनगा, सीओ भिनगा ने मामला को शांत कराया कराया। धार्मिक झंडे पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाला युवक बालमुकुंद को पुलिस ने हिरासत में लिया है। इस सम्बन्ध में एडिशनल एसपी मुकेश चन्द्र उत्तम ने बताया कि घटना के सम्बन्ध में तहरीर प्राप्त हुयी है। एफ आईआर दर्ज कर लिया गया है। मौके पर शान्ति व्यवस्था कायम है।

गांव–गांव विकास कार्यों की पड़ताल में जुटे बीडीओ सौरभ पाण्डेय मिठवल

अधिकारियों व सचिवों संग बैठक कर दिए सख्त निर्देश, ग्रामीणों में बढ़ा भरोसा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड मिठवल में चल रहे विकास कार्यों को गति देने के लिए ब्लॉक विकास अधिकारी (बीडीओ) ने गांव–गांव दौड़कर निरीक्षण किया। बीडीओ सौरभ पाण्डेय ने कई गांवों का भ्रमण कर मौके पर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता परखी और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बीडीओ ने प्रधानमंत्री आवास योजना, सड़क निर्माण, नाली–खड़ंजा, शौचालय निर्माण और पेयजल आपूर्ति योजनाओं की समीक्षा की। जहां कार्य अधूरे मिले वहां तत्काल तेजी लाने को कहा गया। उन्होंने ग्राम सचिवों और संबंधित विभागीय अधिकारियों को चेतावनी दी कि लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके बाद बीडीओ ने ब्लॉक कार्यालय पर सचिवों व अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में साफ निर्देश दिए गए कि योजनाओं को धरातल पर लाना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचे और कार्यों में पारदर्शिता व गुणवत्ता सुनिश्चित हो। ग्रामीणों ने बीडीओ की इस सक्रियता का स्वागत किया। उनका कहना है कि अब गांवों में सड़कें पक्की हो रही हैं, नालियां बन रही हैं और आवासीय योजनाओं का असर दिखने लगा है। ग्रामीणों ने भरोसा जताया कि अगर इसी तरह जवाबदेही तय होती रही तो आने वाले दिनों में मिठवल ब्लॉक के गांव आदर्श रूप में बदल जाएंगे।

पितरों को पिंडदान करने के लिए दर्जनों लोगों ने किया गया के लिए प्रस्थान

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। पितृपक्ष में पितरों को पिंडदान करने के लिए शोहरतगढ़ विकास क्षेत्र के दर्जनों गांव से कई लोग सोमवार को अपने निजी साधन द्वारा निकले है। इसी क्रम में शोहरतगढ़ विकास क्षेत्र के परिगवा गांव के अम्बरीष दत्त शुक्ल, बंशीधर उपाध्याय भी अपने पत्नी के साथ बोध गया के लिए रवाना हुए हैं। बातचीत के दौरान इन लोग काशी बनारस, अयोध्या, बद्रीनाथ, प्रयागराज, मथुरा का दर्शन करते हुए बोध गया को जायेंगे। हिन्दू धर्म के अनुसार पितृ पक्ष के दौरान गया में पिंडदान करने का अत्यंत महत्व है, क्योंकि मान्यता है कि यह पितरों को मोक्ष दिलाता है, उन्हें तृप्त करता है और सात पीढ़ियों का उद्धार करता है, जिससे उन्हें स्वर्ग की प्राप्ति होती है। गया को मोक्षस्थली भी कहा जाता है क्योंकि यहां भगवान श्री विष्णु स्वयं पितृदेव के रूप में विराजमान रहते हैं और फल्गु नदी के तट पर भगवान श्रीराम ने भी अपने पिता राजा दशरथ के लिए पिंडदान किया था, जिससे यह स्थान पितृ ऋण से मुक्ति के लिए पवित्र माना जाता है। इसलिए हर साल हर क्षेत्र से काफी लोग पिंडदान के लिए बोध गया जाते हैं। इस दौरान श्रीधर दत्त शुक्ल, ब्रा दत्त शुक्ल, सुशील शुक्ला एडवोकेट, डॉ लक्ष्मीकांत शुक्ला, राजेश दत्त, आशीष दत्त शुक्ल, अम्बिकेश दत्त शुक्ल, डॉ चंद्रीकेश दत्त शुक्ल, धर्मेंद्र दत्त, शिवकुमार शुक्ल, ब्रा कुमार शुक्ल, प्रेम प्रकाश त्रिपाठी के साथ काफी संख्या में ग्रामीण लोग मौजूद रहे।

अवैध कब्जे को लेकर ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक को सौंपा शिकायती पत्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

कैसरगंज/बहराइच। ग्राम पंचायत बैराकाजी, थाना कैसरगंज के ग्रामीणों ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक बहराइच को एक शिकायती पत्र सौंपा है। सौंपे गए शिकायती पत्र में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उनके विरुद्ध विपक्षी गण द्वारा बार–बार झूठी एवं मनगढ़ंत शिकायतें दर्ज कराई जा रही हैं, जिससे वह परेशानियों का सामना कर रहे हैं। मिली जानकारी अनुसार ग्रामीणों ने सौंपे गए पत्र में कहा है कि विपक्षी सफीउल्ला तुफैल खलील अहमद व रफी अहमद अन्य द्वारा लगातार फर्जी मुकदमे दर्ज कराने के लिए अलग अलग प्रार्थना पत्र उच्च अधिकारियों को प्रस्तुत कर रहा है। हाल ही में विपक्षीगण पर मुकदमा पंजीत किया जा चुका है। मुकदमा संख्या 0248/2025 व पत्र संख्या की संदर्भ संख्या 20018026023349 की स्थलीय जांच करने गए अल्पसंख्यक अधिकारी नायब तहसीलदार हल्का लेखपाल पुलिस प्रशासन द्वारा सत्यापन किया गया जिस पर विपक्षी द्वारा अवैध कब्जा पाया गया।

तभी से विपक्षियों द्वारा दबाव बनाने के लिए इनके द्वारा शिकायत किया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है जब से उत्तर प्रदेश सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड द्वारा कब्जा खाली कराने के पत्र जारी किया है। तब से इनके द्वारा झूठी शिकायतें देते चले आ रहे हैं जिसके चलते उन्हें मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है। और सामाजिक जीवन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि पुलिस प्रशासन से इन शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराई जाए, इनके द्वारा किया गया अवैध कब्जा खाली कराया जाय। इस मौके पर अब्दुल खालिक, इमरानअहमद, मंजूर अहमद, मोहम्मद साजिद, अलीम मौलाना, समाल अहमद, मंसूर अहमद, फारूक अहमद, अफजाल सहित समस्त ग्रामीणों की मौजूदगी रही।

संस्थाओं के संयुक्त तत्वाधान में 50 परिवारों को वितरित किया गया राहत सामग्री

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। एच एम फाउंडेशन एवं सीड संस्था के सहयोग से ग्राम मुतहा जो राप्ती नदी के कटान से पीड़ित 50 परिवार को सीड की नान फाइनेंशियल पार्टनर तराई एनवायरमेंट अवेयरनेस समिति के द्वारा अपर उप जिलाधिकारी श्रावस्ती श्री ओमप्रकाश एव आपदा विशेषज्ञ अरुण कुमार मिश्र की उपस्थित में पीड़ित 50 परिवारों को राहत सामग्री वितरित की गई राहत सामग्री में चावल आटा मसाला चीनी चाय पत्ती नमक आज सामग्री के साथ स्वच्छता सामग्री सेनेटरी किट बाल्टी मग का वितरण किया गया एवं रोगियों को रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से दवा का वितरण किया गया।

नगर पालिका के ईओ पर अपमानित करने का आरोप: डीएम से कार्रवाई की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। विश्व हिन्दू महासंघ के जिला उपाध्यक्ष और भाजपा नेता राजन गुप्ता ने जिलाधिकारी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा को पत्र देकर मांग किया है कि बिना कोई नोटिस दिये फौव्वारा तिराहे पर अतिक्रमण हटाये जाने के दौरान अधिशासी अधिकारी अंगद गुप्ता द्वारा मां बहन की गालियां देकर अपमानित किये जाने के मामले में समुचित कार्यवाही किया जाय। राजन गुप्ता ने मामले की सूचना शहर कोतवाल को भी दिया है। राजन गुप्ता ने बताया कि जिलाधिकारी ने मामले की जांच कराकर कार्यवाही का आश्वासन दिया है। पत्र में भाजपा नेता राजन गुप्ता ने कहा है कि फौव्वारा तिराहे पर नगर पालिका द्वारा अतिक्रमण हटवाया जा रहा था, वे मौके पर पहुंचे और पूछा कि अतिक्रमण हटाने से पहले क्या सूचना दी गई थी, उसी समय अधिशासी अधिकारी अंगद गुप्ता पहुंच गये और उनका कालर पकड़कर गाली देने लगे। उन्होंने रेहड़ी पटरी की दुकान लगाने वालों को भी धमिकियां दी। मांग किया कि समूचे मामले की जांच कराकर कार्यवाही की जाय। पत्र देने वालों में मुख्य रूप से काशी गौड़, पिन्टू चौरसिया, प्रभुदयाल शुक्ल, दीपक गुप्ता, राम बहाल, अविनाश गौड़, ब्रा, विवेक, अखिलेश मोदनवाल, अनिल कुमार गुप्ता, राजेश कुमार, फारूक, विजय वर्मा, सुनील, राजकुमार, वीरेन्द्र, राहुल, अजमत अली, शालू, सरस्वती देवी आदि शामिल रहे।

अधूरे सीसी रोड व जलभराव को लेकर लोगों का फूटा गुस्सा, प्रदर्शन

कुशीनगर। जनपद के मथौली बाजार नगर पंचायत के वार्ड नंबर 3 रानी लक्ष्मीबाई में नगर पंचायत द्वारा बनाई जा रही सीसी रोड पिछले आठ माह से अधूरा पड़ा है। ठेकेदार द्वारा सड़क पर गिट्टी डालकर काम अधूरा छोड़ दिया गया है। इसके चलते जगहजगह सड़क पर जलजमाव हो गया है। सोमवार को वार्ड के लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। दर्जनों की संख्या में लोगों ने नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन कर व्यवस्था ठीक कराने की मांग किया है। बताया जाता है कि नगर पंचायत मथौली बाजार के वार्ड नंबर 3 रानी लक्ष्मीबाई नगर में छांगुर और रवि ऑपरेटर के घर से हरेंद्र पांडेय के घर तक एवं पास से ही एक मंदिर तक जाने वाली मार्ग को सीसी सड़क बनाया जा रहा है। जो पिछले आठ माह से सड़क पर गिट्टी गिराकर ठेकेदार द्वारा छोड़ दिया गया है। इससे बच्चे व बुजुर्ग गिरकर चोटिल हो जा रहे हैं। आठ माह से अधूरा सड़क व जगह जगह जलभराव को लेकर सोमवार को नगर वासियों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने प्रदर्शन करते हुए जिम्मेदारों से अविलंब सड़क का निर्माण कार्य पूरा कराने की मांग किया है। प्रदर्शन करने वालों में पप्पू राम, मकसूदन राय, मेहू पासवान, मुन्ना पांडे, मनोज राय, सिंहासन राय, सच्चिद पांडेय, इन्द्रावती देवी, शारदा देवी आदि लोगों ने सड़क निर्माण पूरा व जल भराव की समस्या को दूर करने करने की मांग किया है।

सेवारत शिक्षको को टीईटी से छूट दिए जाने की मांग को लेकर शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन

कुशीनगर। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ प्रदेश नेतृत्व के आह्वान के क्रम में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ कुशीनगर द्वारा सेवारत शिक्षकों को टीईटी से छूट दिए जाने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन एडीएम न्यायिक कुशीनगर प्रेम शंकर राय को दिया गया। ज्ञापन में 23 अगस्त 2010 के पूर्व सेवारत शिक्षकों के टीईटी से छूट के लिए अनुरोध किया गया है। गोरखपुर मंडल अध्यक्ष राजेश शुक्ला व जिलाध्यक्ष अविनाश शुक्ला के अगुवाई में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि देश भर के लाखों शिक्षकों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करने वाले 1 सितंबर 2025 के उच्चतम न्यायालय के टेट संबंधी निर्णय पर तत्काल हस्तक्षेप किया जाए। उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसार सभी सेवारत शिक्षकों के लिए उनकी नियुक्ति की तिथि चाहे जो भी रही हो शिक्षक पात्रता परीक्षा टेट को अनिवार्य कर दिया गया है। इस निर्देश से देश भर के लाखों शिक्षकों की सेवा सुरक्षा और आजीविका को संकट में डाल दिया है। जबकि शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 तथा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद एनसीटीई की अधिसूचना 23 अगस्त 2010 के अंतर्गत स्पष्ट रूप से दो श्रेणियां विभाजित की गई थी। पहले में वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षक जिन्हें टीईटी से छूट दी गई थी और दूसरी वर्ष 2010 के बाद नियुक्त शिक्षक जिनके लिए एक निश्चित अवधि में टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य किया गया था। उच्च न्यायालय के निर्णय में इस तथ्य को अनदेखा कर दिया गया है। जिसके परिणाम स्वरूप 2010 से पूर्व वैध रूप से नियुक्त शिक्षकों की सेवा भी असुरक्षित हो गई है। इस निर्णय से देश भर में लगभग 20 लाख से अधिक शिक्षक चिंता व असमंजस की स्थिति में है। इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री भारत सरकार से अनुरोध किया गया है कि 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर यह आदेश लागू न किया जाए। वैध नियमों के अंतर्गत नियुक्त अनुभवी शिक्षकों की सेवा–सुरक्षा एवं गरिमा सुनिश्चित की जाए। लाखों शिक्षकों को सेवा समाप्ति अथवा आजीविका संकट से बचाने हेतु आवश्यक नीतिगत अथवा विधायी कदम शीघ्र उठाए जाएं। इस दौरान दिलीप पाण्डेय, महेश कर्णधार, श्याम सुंदर तिवारी, उदय सिंह, रविंद्र नारायण पाण्डेय, सुनील सिंह, अनुराग पांडेय, कृष्ण कुमार त्रिपाठी, दिलीप सिंह, श्याम नाथ गौड़, राजेश तिवारी, बृजभूषण पांडेय, संजय यादव, शैलेश गौड़, बृज नारायण गौड़, संदीप तिवारी, अमिताभ त्रिपाठी, राकेश मणि, अमिताभ पटेल, विपिन सिंह, धनंजय पांडेय, सतीश सिंह, विजय कुशवाहा, धीरज राय, श्रीधर पांडेय, विनय पांडेय, राजवंत सिंह, सतवंत सिंह, चंद्रहास मिश्रा, सुधीर उपाध्याय, शिल्पी मिश्रा, विजेंद्र मनी, अखिलेश शुक्ल, प्रियंका पांडेय, राहुल उपाध्याय, केशव गोविंद राय, घनश्याम वर्मा, अरुण गोविंद राय, धर्मेंद्र पांडेय नागेंद्र शुक्ला, वरुण राय, आदर्श मिश्र, उदय सिंह, आशीष मिश्रा, जोधा यादव, दुर्गेश त्रिपाठी, हरेंद्र चौरसिया, दिलीप सिंह, इकबाल, जितेंद्र नारायण सिंह, अनुप श्रीवास्तव, अखिलेश सिंह, सुधीर श्रीवास्तव, रामायण यादव आदि सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

बहुचर्चित धर्मांतरण एवं दुष्कर्म के आरोपियों को बचाने का तो नही किया जा रहा खेल

सोशल मीडिया पर पीडिता का कथित शपथ–पत्र प्रसारित।

कुशीनगर। हिन्दू युवती के साथ दुष्कर्म कर धर्मांतरण करा, मुस्लिम युवक से निकाह कराने के बाद अलग अलग युवको द्वारा युवती के साथ मुह काला करने के मामले मे कुशीनगर जनपद के पडरौना कोतवाली मे तेरह लोगो के खिलाफ संगीन धाराओं में दर्ज हुए मुकदमे मे सोशल मीडिया पर एक शपथ–पत्र तैर रहा है। शपथ पत्र युवती की ओर से इलाहाबाद से बनवाया गया व दर्शाया गया है। वाकई यह शपथ पत्र लखनऊ मे मीडिया के सामने खडा होकर धर्मांतरण व दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली युवती का है तो निसंदेह यह कानून के साथ खिलवाड है और इस षड्यंत्र को रचने वालो के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन अगर यह शपथ पत्र पुलिसिया कार्रवाई व विवेचना को प्रभावित करने के लिए प्रायोजित किया गया है तो यह कौन है। इस खेल का माहिर खिलाडी? कही इस जघन्य अपराध मे लिप्त आरोपियो को बचाने का प्रयास तो नही किया जा रहा है? सोशल मीडिया पर प्रसारित किये गये शपथ पत्र पर नजर दौडायें तो 4 सितम्बर –2025 को इलाहाबाद मे 2 बजकर 27 मिनट पर सौ रुपये का ईस्टाप लिया गया है। स्टाम्प पर शपथकर्ता के नाम के आगे काले रंग के स्याही पोत दिया गया है। पुलिस अधीक्षक कुशीनगर को संबोधित शपथ–पत्र में शपथकर्ती ने क्रम संख्या एक में कहा है कि वह इस मामले मे अभिसाक्षी है और वर्तमान मामले के तथ्यों से भलीभांति परिचित है इस लिए वह यह शपथ पत्र देने के लिए सक्षम है।

शपथकर्ती ने क्रमांक तीन मे कहा है कि मैं पूरी जिम्मेदारी और सच्चाई के साथ यह कहना चाहती हूँ कि यह एफआईआर कुछ लोगों द्वारा दी गई गलत जानकारी और गलतफहमी के चलते दर्ज की गई है जिन्होंने मुझे गुमराह किया। मुझे उकसाया गया और मुझ पर दबाव डालकर ऐसे आरोप लगाए गए जो तथ्यात्मक रूप से गलत और निराधार थे। क्रमांक चार मे लिखा है कि आत्मनिरीक्षण और तथ्यों को समझने के बाद मैं उपरोक्त एफआईआर मे लगाए गए सभी आरोपों का स्पष्ट रूप से खंडन करती हूँ। एफआईआर मे वर्णित ऐसी कोई घटना कभी घटित नही हुई है। यौन उत्पीड़न,अपहरण धर्मांतरण, मारपीट या हत्या के प्रयास के आरोप पूरी तरह से झूठे और निराधार है। शपथ पत्र में शपथकर्ती द्वारा पैरा पांच मे कहा गया है कि मैं यह भी कहना चाहती हूँ कि एफआईआर में दर्ज अभियुक्तों या एफआईआर मे नामित अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध मेरी कोई व्यक्तिगत शिकायत नही थी तथा निहित स्वार्थ वाले कुछ व्यक्तियों के उकसावे और दबाव के कारण मुझे झूठी और मनगढ़ंत रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए मजबूर किया गया। क्रम संख्या छह मे शपथकर्ती गलत एफ आई आर दर्ज होने के कारण अभियुक्तों और उनके परिवारों को हुई असुविधा और कठिनाई के लिए खेद व्यक्त की है जबकि क्रमांक सात मे यह शपथपत्र स्वेच्छा और बिना किसी दबाव व अनुचित प्रभाव के सही तथ्यों को रिकॉर्ड पर रखने के उद्देश्य से देने की बात कही गयी है। शपथकर्ती ने पैरा आठ मे दिनांक 19 अगस्त 2025 को पडरौना कोतवाली मे दर्ज एफआईआर मुकदमा अपराध संख्या 4626 2025 पर कार्यवाही न किये जाने की प्रार्थना करते हुए कहा है कि यह झूठी व उकसावे मे दर्ज करायी गयी एफआईआर है। क्रमांक नौ मे शपथकर्ती ने अपना और अपने पिता का नाम के साथ पता अंकित किया है जिसे काले रंग की स्याही से पोतकर अपठनीय कर दिया गया है लेकिन आखो पर जोर डालने पर शपथकर्ती का नाम माला रावत पिता का नाम उपेन्द्र रावत व निवासी पटकैरवा थाना क्षेत्र रजवटिया अंकित प्रतीत हो रहा है। क्रम संख्या दस मे शपथकर्ती ने कहा है कि जब मुझे उन लोगो द्वारा आधार कार्ड प्राप्त कराया गया तो उससे मेरा, मेरे पिता का नाम व पता सब गलत लिखा हुआ था. मैने बहकाने वाले लोगो से पूछा तो वो बोले कि हम लोग जो भी कर रहे है उसे तुमको कोई समस्या नही होगी।

शपथकर्ती के शपथ पत्र मे दो नामो का उल्लेख–– शपथपत्र के अंतिम पैरा ग्यारह मे शपथकर्ती ने लिखा है कि मै अनमिका सिंह उर्फ माला रावत पिता भूपेन्द्र सिंह उर्फ उपेन्द्र रावत दोनो एक ही है और शपथपत्र में पैरा 1 लगायत 11 तक मेरी निजी जानकारी में सत्य व सही है। इसमें न कुछ झूठ है और न कुछ छिपाया गया है। शपथ–पत्र मे अनामिका सिंह उर्फ माला रावत पुत्री भूपेन्द्र सिंह उर्फ उपेन्द्र रावत दोनो नाम एक ही व्यक्ति का बता रही है। आरोपियों के खिलाफ अनामिका सिंह पुत्री भूपेन्द्र सिंह के तहरीर पर मुकदमा दर्ज कराया गया है। जबकि इसके उपर क्रम संख्या दस मे शपथकर्ती ने कहा है कि जब मुझे उन लोगो द्वारा आधार कार्ड प्राप्त कराया गया तो उससे मेरा, मेरे पिता का नाम व पता सब गलत लिखा हुआ था। ऐसे मे अनामिका और माला दोनो एक कैसे है?

अनामिका के तहरीर पर पडरौना कोतवाली मे दर्ज दुष्कर्म व धर्मांतरण के मुकदमे में रफी, नौशाद, छांगुर, आलमगीर, रिशा मिश्रा समेत कुल तेरह लोगो के खिलाफ विभिन्न संगीन धाराओं मे नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। मजे कि बात यह है कि शपथ–पत्र मे शपथकर्ती ने मुकदमा अपराध संख्या तो उल्लेख किया है किन्तु दर्ज मुकदमे मे उन तेरह आरोपियो मे से किसी का नाम शपथ–पत्र मे अंकित नही किया है आखिर क्यों? शपथ पत्र बनवाते समय शपथकर्ती जिन लोगो पर झूठे आरोप लगाये थे उनका नाम भूल गयी थी क्या? शपथकर्ती माला रावत जो खुद को अनामिका सिंह भी बता रही है पैरा संख्या छह मे गलत एफआईआर दर्ज होने के कारण अभियुक्तों व उनके परिवार को हुई असुविधा और कठिनाई के लिए खेद व्यक्त कर रही है। क्या किसी भी व्यक्ति पर घटिया और घिनौनी आरोप लगाकर मान–सम्मान और जिन्दगी से खिलवाड करने के बाद खेद प्रकट कर देने से सब कुछ ठीक हो जायेगा? क्या कानून के साथ खिलवाड करने व झूठा आरोप लगाकर तेरह लोगो के मान–सम्मान धूमिल करने वाली युवती के विरुद्ध कोई कार्रवाई नही होगी? तमाम सवाल है जिसका सामना शपथकर्ती को करना पडेगा जो उसने शपथ–पत्र बनवाते समय शायद सोचा नही होगा।

उकसाने और बहकाने वालो का शपथ–पत्र मे नही है कही नाम–– कहना न होगा कि सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे शपथ–पत्र मे क्रम संख्या तीन व चार मे शपथकर्ती ने कहा है कि यह एफ आई आर कुछ लोगो द्वारा दी गई गलत जानकारी और गलत फहमी के चलते दर्ज करायी गई है जिन्होंने मुझे गुमराह किया। मुझे उकसाया और मुझ पर दबाव डालकर ऐसे आरोप लगाए गए जो तथ्यात्मक रूप से गलत और निराधार थे। ऐसे सवाल यह उठता है कि दबाव बनाकर तेरह लोगो पर फर्जी मुकदमा दर्ज कराने वाले लोगो का नाम शपथकर्ती ने अपने शपथ–पत्र मे क्यो नही उल्लेख किया है? आखिरकार वह किसके दबाव मे यह घृणित कृत्य को अंजाम दिया. शपथकर्ती किसके हाथो की मोहरा बनी हुई है?

विवेचक को क्यों नही दी शपथ–पत्र–– विधि के जानकार बताते है कि किसी भी मामले मे मुकदमा दर्ज होने के बाद वादी व प्रतिवादी द्वारा विवेचक अथवा पुलिस अधीक्षक को शपथ–पत्र देने का प्राविधान है जबकि यहा तो शपथ–पत्र को सोशल मीडिया पर प्रसारित कर कर पुलिस की कार्यप्रणाली पर ही सवाल उठाने की कोशिश की जा रही है आखिरकार सोशल मीडिया पर शपथ–पत्र वायरल करने के पीछे मंशा क्या है? कही आरोपियो को बचाने की कोई कोशिश तो नही? मजे की बात यह है कि शपथकर्ती द्वारा 4 सितम्बर को शपथ–पत्र बनवाया गया है और 9 सितम्बर को यह शपथ–पत्र सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ किन्तु अभी तक यह शपथ पत्र न तो जिले के पुलिस कप्तान के पास पहुचा है और न ही विवेचक को इस शपथ–पत्र के बारे में कोई जानकारी है। मानवाधिकार कार्यकर्ता शशिकांत मिश्र द्वारा मांगी गयी सूचना मे 13 सितम्बर को पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर ने पुलिस कप्तान को अपनी एक रिपोर्ट भेजी है जिसने सीओ ने स्पष्ट कर दिया है कि दर्ज मुकदमे की वरिष्ठ उप निरीक्षक रवि भूषण राय द्वारा विवेचना संपादित की जा रही है विवेचना प्रचलित है। इसमे किसी तरह का कोई बयान या शपथ–पत्र अलग से प्राप्त नही हुआ है।

आरोग्य मेले में मरीजों का उमड़ा हुजूम, सुविधाओं की किल्लत से इलाज में हुई दिक्कत

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज। जनपद के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर

रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन हुआ। मेले मे सर्दी–जुखाम, खांसी–बुखार, दाद–खुजली, मलेरिया, टाइफायड, गैस और एलर्जी जैसी बीमारियों से पीड़ित बड़ी संख्या मे मरीज इलाज के लिए पहुंचे सुबह 11:04 बजे पीएचसी .त मिथरा पर डॉ मनोज मिश्रा मरीजों का इलाज करते दिखे। इस बाबत लालू कुमार ने बताया कि उन्हें तेज खांसी और बुखार की शिकायत थी। डॉक्टर ने दवा दी और खून की जांच कराने की सलाह जिला अस्पताल में दी। इसी तरह वीरेंद्र कुमार ने बताया कि झोलाछाप से इलाज कराने के बाद भी टाइफायड से राहत नहीं मिली, पीएचसी में जांच सुविधा न होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल जाने को कहा गया। दोपहर 12:18 बजे पीएचसी सिसवा मे डॉ. ईश्वर मरीजों का इलाज करते दिखे। गीता देवी ने शिकायत की कि उन्हें एलर्जी और खांसी की समस्या थी, लेकिन केवल सिरप ही दिया गया। वहीं, सूर्यभान कुमार ने बताया कि दाद–खुजली के लिए दवा तो मिली, पर क्रीम उपलब्ध नहीं कराई गई पीएचसी लक्ष्मीपुर एकदंगा मे डॉ. वैभव इलाज कर रहे थे। राजेश कुमार ने बताया कि वह टाइफायड और मलेरिया से पीड़ित है, लेकिन उन्हें केवल सामान्य बुखार की दवा दी गई। कविता नाम की महिला ने बताया कि उन्हें गैस, उल्टी और सिरदर्द की समस्या है, जिसके लिए दवा दी गई। इस बाबत डिप्टी सीएमओ महराजगंज ने कहा कि मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में तैनात सभी चिकित्सकों को मरीजों का बेहतर ढंग से इलाज करने का निर्देश दिया गया है। अगर कहीं लापरवाही बरती गई तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई तय है।

मथुरा से बुलाई गई टीम ने पकड़े 29 बंदर

गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के नगर पंचायत गोला में बंदरों के आतंक से सोमवार को लोगों को राहत मिल गई। नगर पंचायत गोला ने मथुरा से विशेषज्ञ टीम को बुलाया। टीम ने सोमवार को विशेष अभियान चलाकर 29 बंदरों को पकड़ा। इनमें वह खूंखार बंदर भी शामिल है, जिसने पिछले चार महीनों में उपनगर के 100 से अधिक बच्चों को काटकर घायल किया था। मथुरा से आई टीम में शकील, मुबारक और महेंद्र शामिल थे। टीम ने नगर पंचायत के सहयोग से खूंखार बंदर को मन्नीपुर कन्या विद्यालय के पास से पकड़ा। स्थानीय लोगों के अनुसार यह बंदर वार्ड नंबर 3, 8, 11, 12, 14 और 17 में आतंक मचा रहा था। इसका आतंक बेवरी, मन्नीपुर, रामामऊ, बाहपुर और भीटी गांवों में भी फैला हुआ था। बंदर के डर से बच्चों का खेलना–कूदना और स्कूल जाना लगभग बंद हो गया था। यह विशेष रूप से छोटे बच्चों को निशाना बनाता था। अकेले बच्चों को देखकर पीछे से उनके कंधों पर कूद जाता और काटकर घायल कर देता था।

शिक्षकों को टीईटी से मुक्त करने की उठी माँग

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने मांगों का ज्ञापन डीएम को सौंपा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आवाहन पर सोमवार को जिलाधिकारी को प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। संगठन ने कहा कि एक सितम्बर को उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय के अनुसार सभी सेवारत शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को अनिवार्य कर दिया गया है, चाहे उनकी नियुक्ति की तिथि कोई भी रही हो। इस निर्णय से देशभर के लाखों शिक्षकों की सेवा–सुरक्षा और आजीविका संकट में पड़ गई है। मण्डल अध्यक्ष अखिलेश वत्स व जिलाध्यक्ष अशोक कुमार त्रिपाठी ने बताया कि पूर्व नियमों के अंतर्गत नियुक्त अनुभवी शिक्षकों की सेवा–सुरक्षा एवं गरिमा सुनिश्चित करने और उन्हें सेवा समाप्ति अथवा आजीविका संकट से बचाने हेतु आवश्यक नीतिगत अथवा विधायी कदम उठाना जरूरी है। जिला महामंत्री इंदु प्रकाश सिंह, गणेश पाण्डेय,

रवि भूषण सिंह व धीरेन्द्र पति त्रिपाठी ने कहा कि जिन शिक्षकों को पूर्व में टीईटी से छूट दी गई थी, उन्हें अब परीक्षा के दायरे में लाना अन्याय है। अखिलेश गुंजन ने कहा कि इस निर्णय से लगभग 20 लाख शिक्षक गहन चिंता में हैं। रविन्द्र चौधरी ने कहा कि न्यायालय को अपने निर्णय पर पुनर्विचार करना चाहिए ताकि पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर इसका प्रभाव न पड़े। जय प्रकाश राय व अभिषेक मिश्र ने कहा कि जब तक समाधान नहीं होता निर्णायक आंदोलन जारी रहेगा। राज मौर्य ने कहा कि ऐसे निर्णय से शिक्षक समाज में गहरा असंतोष व्याप्त है। वकील अहमद व रविन्द्र बहादुर सिंह ने कहा कि प्रत्येक शिक्षक की सेवा–सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संगठन पूरी तरह कटिबद्ध है। महासंघ के नेता दिनेश दुबे ने घोषणा की कि समस्या का समाधान होने तक संघर्ष जारी रहेगा। इस अवसर पर सौरभ कार्तिकेय, रविकांत मौर्य, राजेश वैश, कमलेश विश्वकर्मा, अरुणेश पाण्डेय, ममता पाण्डेय, मेघा सौनकिया, संजय सिंह, संजय मिश्रा, विजयानंद सहित बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे।

अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन की अध्यक्षता में पुलिस लाइन चुर्क में आयोजित की गयी नक्सल समन्वय गोष्ठी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस लाइन सभागार कक्ष में अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी की अध्यक्षता में नक्सल समन्वय गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में जनपद के पुलिस/पीएसी व अन्य विभागों व सीमावर्ती जनपदों से

आये अधिकारीगण के साथ नक्सली संचरण के दृष्टिगत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अधिक सतर्कता बरतने व आपस में लगातार समन्वय स्थापित कर नियमित काम्बिंग एरिया डामिनेशन करने तथा इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने व उनका हर सम्भव निराकरण कराये जाने व स्थानीय लोगों के साथ वार्ता कर उन्हें किसी के बहकावे में न आने व संदिग्ध गतिविधि होने पर उसकी जानकारी स्थानीय पुलिस व प्रशासन को देने के बारे में जागरूक किया गया एवं अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की गयी। इस दौरान मो०–फाजिल सिद्दीकी सहायक सेनानायक नक्सल कण्टीजेन्ट चुर्क, डिप्टी सीएमओ डा० एसके जायसवाल, राना प्रताप सिंह प्रभारी निरीक्षक जोनल नक्सल अभिसूचना ईकाई, महेन्द्र यादव स्थानीय अभिसूचना ईकाई सोनभद्र एवं जनपद के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी/पीएसी पोस्ट प्रभारी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक, द्वारा जनता दर्शन में आए फरियादियों की सुनी गई समस्याएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन में फरियादियों की समस्याओं

एवं शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों के शीघ्र, गुणवत्तापूर्ण एवं निष्पक्ष निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई व महिला हेल्पडेस्क को अधिक प्रभावशाली और संवेदनशील बनाया जाए, ताकि आमजन को बार–बार पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न पड़े तथा उनकी समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही हो सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिन शिकायतों का निस्तारण थाना स्तर पर संभव है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से निष्पादित किया जाए। इसी क्रम में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण एवं थाना प्रभारियों द्वारा भी अपने–अपने कार्यालयों/थानों पर जनसुनवाई करते हुए आमजन से प्राप्त शिकायतों का त्वरित व प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे पुलिस व जनता के मध्य विश्वास और सहयोग की भावना और अधिक सुदृढ़ हो सके।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनान्तर्गत प्रशिक्षण एवं टूलकिट प्रदान हेतु आज होगा साक्षात्कार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र अधिकारी विनोद कुमार चौधरी ने अवगत कराया है की वित्तीय वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनान्तर्गत प्रशिक्षण एवं टूलकिट प्रदान करने हेतु कार्यालय में दिनांक 01 अप्रैल 2024 के बाद से प्राप्त पोर्टल पर आन लाइन आवेदनों के सापेक्ष चयन हेतु ट्रेड टोकरी बुनकर, धोबी, लोहार, नाई, राजमिस्त्री, बढ़ई मे 18.09.2025 को प्रातः 11:00 बजे से कार्यालय जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, सोनभद्र में साक्षात्कार का आयोजन किया जाना सुनिश्चित है। समस्त आवेदकों से अनुरोध है कि उक्त निर्धारित समय व स्थान पर अपने आधार कार्ड, शैक्षिक योग्यता, जाति, आय प्रमाण पत्र व अनुभव प्रमाण पत्र आदि से सम्बन्धित समस्त दस्तावेज दो प्रति (एक मूल व दूसरा छाया प्रति में लेकर साक्षात्कार में उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद- सिद्धार्थनगर (उ०प्र०) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.-UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक मे प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

कार्यालय : नगर पंचायत-कपिलवस्तु, जनपद- सिद्धार्थनगर

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर सीमान्तर्गत राज्य वित्त आयोग/बोर्ड फण्ड मे उपलब्ध धनराशि से जनहित में निम्नलिखित निर्माण कार्य कराया जाना प्रस्तावित है। ठेकेदारो/फर्मो से मुहरबन्द निविदा दिनांक 29.09.2025 को नगर पंचायत कपिलवस्तु कार्यालय पर निम्न शर्तो अधीन के समय 2.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिनांक को 05 लाख से अधिक की निविदा समय 03.00 बजे उपस्थित निविदा दाताओं के समक्ष जिलाधिकारी कार्यालय के एल0बी0सी पटल पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) महोदय द्वारा खोला जायेगा तथा उसी दिनांक को 05 लाख से कम की निविदा समय 04.30 बजे उपस्थित निविदा दाताओं के समक्ष कार्यालय नगर पंचायत कपिलवस्तु पर अधोहस्ताक्षरी/अध्यक्ष महोदया द्वारा खोला जायेगा। निविदा प्रपत्र निर्धारित मूल्य अदा करके दिनांक 27.09.2025 तक प्राप्त किया जा सकता है। उक्त कार्य व अन्य शर्तो सम्बन्धी जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। निर्माण कार्य का विवरण निम्नवत है–

क्र.सं.	कार्य का नाम	आगणन की धनराशि (रू0 में)	कार्य की लागत धनराशि (रू0 में)	18 प्रतिशत जी.एस.टी. (रू0 में)	जमानत धनराशि 10 प्रतिशत (रू0 में)	निविदा मूल्य (रू0 में)	कार्य अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 12 रामजानकी नगर में ओमप्रकाश के घर से नन्दा के घर होते हुए गुड्डन के घर तक सी०सी० रोड निर्माण कार्य।	965947.00	818599.00	147348.00	81860.00	1000.00	छः माह
2	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 11 सरोजनी नगर में दुबरीपुर मे संजय मास्टर के घर के पीछे से नाली तक नाली निर्माण कार्य।	154584.00	131003.00	23581.00	13100.00	160.00	छः माह
3	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 11 सरोजनी नगर बैजनाथपुर मे बाबूलाल जी के घर से विनोद के घर तक नाली निर्माण कार्य।	135474.00	114809.00	20665.00	11481.00	150.00	छः माह
4	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 12 रामजानकी नगर में ओमप्रकाश के घर से नन्दा के घर होते हुए गुड्डन के घर तक दोनो तरफ नाली मरम्मत एवं ढक्कन कार्य।	876047.00	742413.00	133634.00	74241.00	900.00	छः माह
5	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 13 कृष्णा नगर मदारीपुर मे सहाबुद्दीन के घर से अनारुल्लाह के घर तक सी०सी० रोड एवं नाली निर्माण कार्य।	399646.00	338683.00	60963.00	33868.00	400.00	छः माह
6	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 13 कृष्णा नगर मदारीपुर मे अब्दुल्ला के घर से मनोज रावत के घर के पीछे तक सी०सी० रोड एवं नाली निर्माण कार्य।	946966.00	802514.00	144452.00	80251.00	950.00	छः माह
7	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 11 सरोजनी नगर बैजनाथपुर मे रामदास जी खेत के सामने कासिंग निर्माण कार्य।	472206.00	400175.00	72031.00	40017.00	500.00	छः माह
8	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 11 सरोजनी नगर बैजनाथपुर मे राजू जी के घर से विक्रम के घर तक नाली मरम्मत कार्य।	394271.00	334128.00	60143.00	33413.00	400.00	छः माह
9	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 13 मे सागर के घर से दिलीप मास्टर के घर तक सी०सी० रोड एवं आर०सी०सी० नाली निर्माण कार्य।	610573.00	517435.00	93138.00	51743.00	650.00	छः माह
10	नगर पंचायत कपिलवस्तु के वार्ड न 16 अग्रसेन नगर मे चुड़ी केन्द्र से सी०सी० रोड तक सी०सी० रोड का निर्माण कार्य।	800948.00	678770.00	122178.00	67877.00	800.00	छः माह
11	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 07 हथिहवा पोखरे के बगल मे नाली एवं ढक्कन निर्माण कार्य।	652744.00	553173.00	99571.00	55317.00	700.00	छः माह
12	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड नं० 8 आजाद नगर बसालतपुर गांव के मेन सड़क के बाये तरफ नाली निर्माण मे शेष बचा कार्य।	38160.00	32339.00	5821.00	3234.00	100.00	छः माह
13	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 02 अम्बेडकर नगर मे मंगल चौधरी के घर से शिवमंदिर तक इन्टरलाकिंग की साइडवाल पर डी०पी०सी० एवं प्लास्टर का कार्य।	149187.00	126430.00	22757.00	12643.00	150.00	छः माह
14	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 10 सुभाषनगर मो० मावपुर मे महबूब अली के घर से पुराने नाली तक एवं अजीजुर्रहमान के घर से गड्ढे तक ब्रिक नाली एवं ढक्कन का निर्माण कार्य।	511489.00	433465.00	78024.00	43346.00	550.00	छः माह
15	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 07 अटल नगर मोहल्ला कटया मे दिनेश के घर से महेश के घर तक नाली निर्माण कार्य।	306390.00	259653.00	46737.00	25965.00	300.00	छः माह
16	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 10 सुभाषनगर मो० मावपुर मे मुख्तार के घर से नहर तक ब्रिक नाली मरम्मत एवं ढक्कन का कार्य।	467786.00	396429.00	71357.00	39643.00	500.00	छः माह
17	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 10 सुभाष नगर मो० मावपुर मे जलील के घर से नहर तक ब्रिक नाली निर्माण कार्य।	198393.00	168130.00	30263.00	16813.00	200.00	छः माह
18	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 8 आजाद नगर परसा मे मस्जिद से लेकर ताहरा खातून मोहम्मद अली जुग्गी के घर होते हुए कयूम के घर से सड़क तक सी०सी० रोड निर्माण कार्य।	995554.00	843690.00	151864.00	84369.00	1000.00	छः माह
19	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड नं0 8 आजाद नगर परसा में विक्रम के घर से लेकर प्रधान के घर तक, शम्भू के घर से राममिलन के घर होते हुए मेन सड़क मस्जिद से नन्दलाल के घर तक सी०सी० रोड निर्माण कार्य।	981662.00	831917.00	149745.00	83191.00	1000.00	छः माह
20	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 15 बुद्धनगर में पप्पू जायसवाल के घर से हिन्दुस्तान के घर तक इन्टरलाकिंग निर्माण कार्य।	379006.00	321192.00	57814.00	32119.00	400.00	छः माह
21	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड नं० 8 आजाद नगर मे परसा गांव की रोड से होते हुए किताबुल्लाह के घर तक सी०सी० रोड निर्माण कार्य।	495099.00	419575.00	75524.00	41957.00	500.00	छः माह
22	नगर पंचायत कपिलवस्तु के वार्ड न0 16 अग्रसेन नगर गैस एजेंसी के बगल ट्रांसफार्मर का चबूतरा निर्माण कार्य।	90667.00	76837.00	13830.00	7683.00	100.00	छः माह
23	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 08 बसालतपुर में पी०डब्लू०डी० पल्टादेवी मार्ग से अनारु के घर तक मे नाली एवं ढक्कन निर्माण कार्य।	893215.00	756962.00	136253.00	75696.00	900.00	छः माह
24	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 08 बसालतपुर मे समसुद्दीन के घर से सियाजुद्दीन के घर तक नाली एवं ढक्कन निर्माण कार्य।	579829.00	491381.00	88448.00	49138.00	600.00	छः माह
25	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड नं० 3 शंकरपुर में मस्जिद से लेकर मोहम्मद फारुख के घर तक सी०सी० रोड एवं नाली निर्माण कार्य।	435634.00	369181.00	66453.00	36918.00	500.00	छः माह
26	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड नं० शुद्धोधन नगर पकड़िहवा में अकरम अली के घर से गड्ढे तक ब्रिक नाली एवं ढक्कन निर्माण कार्य।	255304.00	216360.00	38944.00	21636.00	300.00	छः माह
27	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 10 सुभाष नगर मो० मावपुर में मंजूर के घर से चुन्नीलाल गुप्ता के घर तक ब्रिक नाली मरम्मत एवं कासिंग निर्माण कार्य।	564213.00	478147.00	86066.00	47814.00	600.00	छः माह
28	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 10 सुभाष नगर मो० मावपुर मे अतीकुर्रहमान के घर से नहर तक ब्रिक नाली मरम्मत एवं ढक्कन का कार्य।	575618.00	487812.00	87806.00	48781.00	600.00	छः माह
29	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न. 10 मावपुर मो० मावपुर मे मेन सड़क की पुलिया का मरम्मत कार्य।	307651.00	260721.00	46930.00	26072.00	350.00	छः माह
30	नगर पंचायत कपिलवस्तु एम०आर०एफ सेंटर के परिसर मे मिट्टी भराई, आयरन मेश एवं समरसेबल पम्प का कार्य।	999067.00	846667.00	152400.00	84666.00	1000.00	छः माह
31	नगर पंचायत कपिलवस्तु के वार्ड न0 04 गांधी नगर मे नमोयोग तिराहे के सौन्दर्यीकरण कार्य।	959833.00	813418.00	146415.00	81342.00	1000.00	छः माह
32	नगर पंचायत कपिलवस्तु के वार्ड न0 12 रामजानकी नगर मे ट्री गार्ड सहित वृक्षारोपण कार्य।	962068.00	815312.00	146756.00	81531.00	1000.00	छः माह
33	नगर पंचायत कपिलवस्तु के वार्ड न0 14 पं० दीनदयाल नगर मे ट्री गार्ड सहित वृक्षारोपण कार्य।	999070.00	846670.00	152400.00	84667.00	1000.00	छः माह
34	नगर पंचायत कपिलवस्तु के वार्ड न0 11 सरोजनी नगर मे बैजनाथपुर रोड एवं पी०डब्लू०डी० चिल्हिया मार्ग पर ट्री गार्ड सहित वृक्षारोपण कार्य।	999070.00	846670.00	152400.00	84667.00	1000.00	छः माह
35	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 13 मदारीपुर मे राम सरन के घर से भगौती के घर तक सी०सी० रोड निर्माण कार्य।	385562.00	326748.00	58814.00	32675.00	400.00	छः माह
36	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 06 शुद्धोधन नगर कलवारी मे मस्जिद से किफायत के घर तक सी०सी० रोड निर्माण कार्य।	567014.00	472046.00	84968.00	47204.00	600.00	छः माह
37	नगर पंचायत कपिलवस्तु के वार्ड न0 5 सरदार पटेल नगर में प्राथमिक विद्यालय मोहनाजोत में स्लोगन एवं पट्टी का कार्य।	322110.00	272975.00	49135.00	27297.00	350.00	छः माह
38	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 7 अटल नगर मे प्राथमिक विद्यालय हथिहवा मे बाउन्ड्रीवाल उच्चीकरण एवं अन्य विविध कार्य।	281569.00	238618.00	42951.00	23862.00	300.00	छः माह
39	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 09 शास्त्रीनगर मे राजन पाण्डेय के घर से कामता मास्टर साहब के घर होते हुए मेन रोड तक नाली निर्माण कार्य।	434999.00	368643.00	66356.00	36864.00	400.00	छः माह
40	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 9 शास्त्री नगर में कामता मास्टर साहब के घर से सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र के गेट तक सी०सी० रोड मरम्मत कार्य।	509545.00	431818.00	77727.00	43182.00	550.00	छः माह
41	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 11 सरोजनी नगर मे प्रा० विद्यालय बैजनाथपुर में हैण्डपम्प रिबोर व अन्य विविध कार्य।	99000.00	–	–	–	100.00	छः माह
42	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड न0 07 अटल नगर मे प्रा० विद्यालय कटया मे हैण्डपम्प रिबोर व अन्य विविध कार्य।	99000.00	–	–	–	100.00	छः माह

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत कपिलवस्तु
जनपद– सिद्धार्थनगर

अध्यक्ष
नगर पंचायत कपिलवस्तु
जनपद– सिद्धार्थनगर

पत्रांक– 307/न.पं.कपि.सि.नगर/2025–26 । दिनांक 11/09/2025